तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 17.1 डिग्री

हरिभूमि

रायपुर भूमि

रायपुर, मंगलवार 14 जनवरी 2025

14 आंदोलन का अनोखा तरीका, जमीन पर दंडवत...

14 निकाय चुनाव में कांग्रेस युवाओं को देगी टिकट, वार्ड...

पीएससी को दर्जनभर विभागों ने भेजा खत, 'कैलेंडर स्पर्धा' में व्यापम से पिछड़ा, मुख्य परीक्षा पर पेंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के लिए 2025 की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। वर्ष के शुरुआत में ही पीएससी व्यापम से पिछड़ गया है। लोक सेवा आयोग ने बीते वर्ष यह घोषणा की थी कि वह यूपीएससी की तर्ज पर वार्षिक कैलेंडर की घोषणा करेगा। इस कैलेंडर में उन सभी परीक्षाओं का जिक्र होगा, जिसका आयोजन पीएससी द्वारा किया जाएगा। पीएससी के उलट व्यापम ने जनवरी के प्रथम पखवाड़े में ही कैलेंडर घोषित कर दिया। सूत्रों के अनुसार, शैक्षणिक कैलेंडर को लेकर पीएससी की तैयारी पूरी हो चुकी है। इसे अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है, इसलिए इसकी विधिवत घोषणा फिलहाल नहीं हो सकी है।

पीएससी ने 2025 के लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार करने 2024 में ही सभी विभागों को खत लिखकर उनके यहां रिक्त पदों की जानकारी मांग ली थी। 10 से अधिक विभागों ने अपने यहां रिक्त हो चुके अथवा 2025 में रिक्त होने वाले पदों की जानकारी पीएससी को भेज दी है। पद संख्या, रिक्तता दिनांक सहित अन्य तथ्यों का निरीक्षण करने पश्चात पीएससी आधिकारिक रूप से पूरे वर्ष के लिए परीक्षा तिथियों को घोषित कर देगा।

■ संविधान दिवस पर मुख्य सेवा परीक्षा अधिसूचना जारी करने की है परंपरा

अलग खबर

26 नवंबर को होता है जारी

शैक्षणिक कैलेंडर में मुख्य सेवा परीक्षा जिक्र होगा अथवा नहीं, इसे लेकर असमंजस की स्थिति है। पीएससी द्वारा संविधान दिवस अर्थात 26 नवंबर को मुख्य सेवा परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी करने की परंपरा रही है। अवकाश होने अथवा अन्य परिस्थितियों में भी पीएससी ने अपनी यह परंपरा नहीं तोड़ी है। चूंकि वार्षिक कैलेंडर साल के शुरुआत में ही जारी कर दिया जाएगा, ऐसे में मुख्य सेवा परीक्षा की तारीखें इसमें शामिल होंगी अथवा इसे पृथक रूप से नवंबर में ही घोषित किया जाएगा, ▶▶ शेष पेज 13 पर

पीएससी ने व्यापम से पहले की थी वार्षिक कैलेंडर जारी करने की घोषणा

मुख्य सेवा परीक्षा के लिए 1.58 लाख अर्जी

पीएससी ने मुख्य सेवा परीक्षा-2024 के लिए प्रवेशपत्र जारी कर दिए हैं। पीएससी-2024 की प्रारंभिक परीक्षा 9 फरवरी को आयोजित की जाएगी। इस बार 246 पदों के लिए यह परीक्षा हो रही है। इसके लिए 1 लाख 58 हजार आवेदन लोक सेवा आयोग को प्राप्त हुए हैं। रायपुर सहित 33 जिला मुख्यालयों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। फरवरी में होने वाली प्रारंभिक परीक्षा के बाद मुख्य परीक्षा जून में आयोजित होगी। गौरतलब है कि इस वर्ष पीएससी द्वारा आयोजित की जाने वाली यह पहली परीक्षा होगी।

खबर संक्षेप

नए ट्रैफिक एएसपी ने पदभार ग्रहण किया

रायपुर। ट्रैफिक पुलिस के नए एएसपी डॉ. प्रशांत शुक्ला ने सोमवार को ट्रैफिक थाने पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। डॉ. शुक्ला वर्ष 2013 बैच के राज्य पुलिस सेवा के अफसर हैं। डॉ. शुक्ला पूर्व में बीजापुर, राजनांदगांव में डीएसपी के पद पर रहे हैं, साथ ही ईओडब्ल्यू, एसीबी एवं सीआईडी में पदस्थ रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पद पर पखांजूर एवं कांकेर में पदस्थ रहे हैं।

चोरी करते धरे गए दुर्ग के तीन शातिर

रायपुर। चंदनीडीह के एक किराना दुकान में चोरी करने की नीयत से घुसे तीन शातिर चोरों को आमानाका पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उन लोगों ने दुर्ग तथा उससे सटे ग्रामीण क्षेत्रों में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस ने चोरी करने की कोशिश करने के आरोप में ओमप्रकाश साहू, रमेश साहू, जागेश्वर साहू को गिरफ्तार किया है। चोर चोरी की दुपहिया वाहन में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चोरी करने जाते थे।

13 साल पुराने मामले में देवेंद्र यादव की पेशी

रायपुर। विधानसभा घेराव मामले में 13 साल पूर्व आरोपी बनाए गए बलौदाबाजार हिंसा मामले में जेल में बंद भिलाई विधायक देवेंद्र यादव को सोमवार को रायपुर जिला अदालत में पेश किया गया। तत्कालीन राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ वर्ष 2010 में कांग्रेस ने विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया था। इस दौरान देवेंद्र की पुलिसकर्मियों के साथ झूमाझटकी हो गई। पुलिस ने देवेंद्र के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में अपराध दर्ज किया था। कोर्ट में पेश किए गए देवेंद्र यादव की अगली पेशी अब 15 जनवरी को होगी।

गो-मांस बिक्री मामले में एक और गिरफ्तारी

रायपुर। मोमिनपारा के एक खाली मकान में गो-मांस बिक्री करने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आजाद चौक पुलिस ने पूर्व में पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर टिकरापारा, आरडीए कालोनी निवासी शाहिद खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गो-मांस बेचने के आरोप में पूर्व में दो महिलाओं समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

नई गुंडा लिस्ट में जोड़े गए नाम, थानों में बुलाकर कराई जा रही परेड, सख्ती के बावजूद सुधर नहीं रहे बदमाश

शहर में बढ़ गए 150 नए गुंडे, बदमाशों के साथ हत्या में भी 23 फीसदी का इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी सहित जिले में अपराध के साथ अपराधियों का ग्राफ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। एक साल के भीतर जिले में डेढ़ सौ से जयादा नए गुंडे बदमाशों की एंट्री हुई है। जिन नए बदमाशों की एंट्री हुई है, उनमें चाकूबाज से लेकर मारपीट तथा हत्या जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाश शामिल हैं। अपराध उन्मूलन करने पुलिस अभियान चलाकर बदमाशों की थाना परेड कराने के साथ उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई भी कर रही है। बावजूद इसके बदमाश अपराधिक घटना को लगातार अंजाम दे रहे हैं। गुंडों के साथ हत्या की वारदातों में भी 23 फीसदी का इजाफा हुआ है।

हरिभूमि सरोकार

पुलिस ने वर्ष 2024 में जिन नए गुंडे बदमाशों की सूची तैयार की है, उनमें निगरानी बदमाशों की संख्या 309 तथा गुंडे बदमाशों की संख्या 620 है। वर्ष 2023 में गुंडे बदमाशों की संख्या साढ़े चार सौ थी। पुलिस के अनुसार जो नए गुंडे बदमाश बने हैं, उनमें ज्यादातर दीगर राज्य से काम करने आने वाले तथा अन्य जिले के बदमाश जो रायपुर में आकर अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, वे शामिल हैं। ▶▶ शेष पेज 13 पर

सूखा नशा का प्रचलन बढ़ा

जानकारों के अनुसार अपराध की घटनाएं बढ़ने की बड़ी वजह शराब के साथ सूखे नशे का बढ़ता प्रचलन है। ज्यादातर बदमाश सूखा नशा के साथ शराब सेवन कर रहे हैं। इसके कारण बदमाश अपनी सुध-बुध खो देते हैं और गंभीर किस्म की अपराधिक घटना को अंजाम देने में नहीं हिचकते। गुढ़ियारी में पिछले दिनों बदमाशों ने सूखा नशा की आगोश में हत्या की घटना को अंजाम दिया था।

कार्रवाई लगातार जारी

बदमाशों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। बदमाशों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। इसी कड़ी में लगातार अभियान चलाकर बदमाशों की थानों में क्लास लगाई जा रही है। आदतन बदमाशों के खिलाफ जिलाबदर की कार्रवाई भी की जा रही है।

- लखन पटले, एएसपी सिटी

वर्चस्व के लिए लड़ रहे बदमाश

पिछले दिनों गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर बदमाश की हत्या के साथ आजाद चौक में हुई चाकूबाजी की घटना में गंभीर रूप से दो बदमाश घायल हुए हैं। दोनों घटनाएं बदमाशों के आपसी रंजिश के साथ वर्चस्व की लड़ाई के लिए हुई थीं। बदमाशों के बीच आपस में आए दिन आपसी रंजिश तथा वर्चस्व की लड़ाई रोकना एक बड़ी चुनौती है।

कहते हैं एक्सपर्ट

सेवानिवृत्त एएसपी राजीव शर्मा के अनुसार अपराध पर अंकुश लगाने पुलिस को न्यायालय के साथ समन्वय स्थापित कर आदतन बदमाशों की आसानी से जमानत नहीं होने देने उपाय करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने बदमाशों की सार्वजनिक के साथ सामाजिक रूप से इनसल्ट कर सबक सिखाने उपाय करने विचार करने कहा। बावजूद इसके बदमाश नहीं सुधरते, तो शासन को यूपी की तर्ज पर उनकी अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई करने के उपाय करने सुझाव दिए। सेवानिवृत्त पुलिस अफसर के अनुसार किसी भी स्तर के मादक पदार्थों का अवैध कारोबार करने वाले हों, उनके बैंक अकाउंट फ्रीज कराने के साथ संपत्ति राजसात करने की जरूरत है।

ज्यादातर बदमाश स्लम एरिया में रहने वाले

पुलिस के अनुसार शहर में तथा जिले में जो गुंडे बदमाश हैं, उनमें ज्यादातर स्लम एरिया तथा ईडब्लूएस मकान में रहने वाले लोग हैं। इसीलिए पुलिस समय-समय पर स्लम एरिया तथा ईओडब्लूएस मकान में छापे की कार्रवाई करती है।

सीजीपीएससी गड़बड़ी के आरोपी दो दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीजीपीएससी परीक्षा घोटाला के आरोप में गिरफ्तार किए गए नितेश सोनवानी, डिप्टी एग्जाम कंट्रोलर ललित गनवीर, साहिल सोनवानी, शशांक गोयल तथा भूमिका गोयल (कटियार) को सीबीआई ने सोमवार को कोर्ट में पेश किया। पांचों आरोपियों को कोर्ट ने दो दिनों के लिए न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का फैसला सुनाया।

■ पूर्व पीएससी चेयरमैन का बेटा-भतीजा, डिप्टी एग्जाम कंट्रोलर के साथ कारोबारी का बेटा-बहू जेल भेजे गए

उल्लेखनीय है कि पीएससी घोटाला मामले में सीबीआई ने पांचों आरोपियों को क्रमशः शनिवार तथा रविवार को गिरफ्तार कर पूछताछ करने रिमांड पर लिया था। सोमवार को रिमांड समाप्त होने पर सीबीआई ने पांचों को सीबीआई के विशेष न्यायालय पेश किया। सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया कि पांचों से पूछताछ कंपलीट हो गई है। सीबीआई ने कोर्ट में पांचों को 27 जनवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने की मांग की। बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने आरोपियों को 27 जनवरी तक जेल भेजने की मांग का विरोध करते हुए उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाया। बचाव पक्ष के वकील ने कोर्ट को बताया कि आरोपियों को पूछताछ के लिए 13 को नोटिस जारी किया गया था। इसके पूर्व पांचों आरोपियों को सीबीआई द्वारा गिफ्तार किए जाने की जानकारी कोर्ट को दी। जिन आरोपियों को जेल भेजा गया है, उनमें साहिल तथा नितेश पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के बेटा तथा भतीजा हैं। भूमिका तथा शशांक बजरंग इस्पात के पूर्व डायरेक्टर श्रवण गोयल के बेटा तथा बहू हैं।

शराब घोटाला मामले में जिनके खिलाफ साक्ष्य, उनके खिलाफ होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के शराब घोटाला मामले में जेल में बंद अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा के आवेदन पर ईडी के वकील ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि शराब घोटाला मामले में जिनके खिलाफ साक्ष्य मिलेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ढेबर तथा टूटेजा ने शराब घोटाला मामले में डिस्टलरीज को भी मुलजिम बनाने कोर्ट में आवेदन पेश किया है। उसी आवेदन के आधार पर ईडी ने सोमवार को कोर्ट में अपना पक्ष रखा।

■ ईडी ने अनवर ढेबर, पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा के आवेदन पर कोर्ट में रखा अपना पक्ष

ईडी के वकील ने कोर्ट को बताया है कि शराब घोटाला मामले में डिस्टलरीज संचालकों की भूमिका की जांच की जा रही है। संदेह के दायरे में आने वालों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच के दौरान मिले इनपुट के आधार पर घोटाले में संलिप्त लोगों की गिरफ्तारी की गई है। प्रकरण की अगली सुनवाई 25 जनवरी को होगी। डिस्टलरीज संचालकों को मुलजिम बनाए जाने के एक अन्य आवेदन पर एक फरवरी को एसीबी कोर्ट में सुनवाई होगी। शराब घोटाले के मूल प्रकरण की सुनवाई एसीबी कोर्ट में 13 फरवरी को होगी। शराब घोटाला मामले में टूटेजा, ढेबर सहित छत्तीसगढ़ ▶▶ शेष पेज 13 पर

सही ठिकानों पर नहीं पहुंचा करोड़ों का रीएजेंट दवा गोदाम और छोटे हेल्थ सेंटरों में हो रहे खराब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

दवाबपूर्वक बिना आवश्यकता के स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में भेजे गए रीएजेंट सुविधायुक्त अस्पतालों में अब तक नहीं पहुंच पाए हैं। विभिन्न तरह की बड़ी बीमारियों की जांच के लिए उपयोग होने वाले करोड़ों के केमिकल अभी भी छोटे हेल्थ सेंटरों और दवा गोदाम में डंप पड़े हैं, जिनके खराब होने का दौर जारी रही है।

रीएजेंट घोटाला सामने आने से मचे हड़कंप के बाद सीजीएमएससी के अधिकारियों ने कई स्वास्थ्य केंद्रों से रीएजेंट वापस मंगा लिया था, जो दवा गोदाम में डंप पड़े हैं। वहीं जिन स्वास्थ्य केंद्रों तक टीम नहीं पहुंच पाई है, वहां केमिकल पड़े-पड़े एक्सपायर हो रहे हैं। मामला सामने आने पर उच्च स्तर पर इन ▶▶ शेष पेज 13 पर

बरबादी को रोकने सुविधायुक्त बड़े अस्पतालों में भेजने किए गए थे दावे

28 करोड़ के हो चुके खराब

साठगांठ से स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाए गए 28 करोड़ से ज्यादा के रीएजेंट खराब होने की बात विभागीय स्तर पर पहले ही स्वीकारी गई थी। इसके अलावा करीब 300 करोड़ के रीएजेंट या केमिकल खराब होने की आशंका जताई गई थी। बिना उपयोग के दवा गोदाम और स्वास्थ्य केंद्रों में पड़े करोड़ों के रीएजेंट हर महीने खराब होते जा रहे हैं।

सौ गुना से ज्यादा में खरीदी का मामला

चमकी-धमकी के साथ स्वास्थ्य केंद्रों में भेजे गए इन रीएजेंट को सौ गुना अधिक कीमतों पर खरीदा गया था। इन रीएजेंट को प्रदेश के करीब साढ़े नौ सौ स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया था। बड़े अधिकारियों की मिलीभगत के साथ व्यापक स्तर पर हुए इस भ्रष्टाचार का खुलासा करने के लिए मामले की जांच की जिम्मेदारी ईओडब्लू से कराए जाने की घोषणा की गई है।

नमी के प्रभाव से उछला पारा 17 डिग्री तक पहुंचा चौबीस घंटे में नया विक्षोभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

हवा के साथ आने वाली नमी के प्रभाव से राजधानी में उछला रात का पारा 17 डिग्री तक पहुंच गया। चौबीस घंटे की राहत के बाद आने वाला नया पश्चिमी विक्षोभ तापमान को ऊपर की ओर ले जाएगा। अभी प्रदेश में कभी ठंडी तो कभी गर्मी का अहसास हो रहा है।

■ कभी ठंडी तो कभी गर्मी का अहसास

प्रदेश में ठंड का मौसम अब ढलान पर आने लगा है। इसका जोरदार असर होने की संभावना अब काफी कम है। तापमान में होने वाले उतार-चढ़ाव के बीच तीसरे अथवा चौथे सप्ताह में ठंड का असर बढ़ सकता है। अभी दक्षिण और मध्य इलाके में ठंड नरम-गरम वाली स्थिति ▶▶ शेष पेज 13 पर

11 डिग्री तक उतरा तापमान

जनवरी के महीने में रायपुर का न्यूनतम तापमान इस सीजन में 11 डिग्री तक उतरा है। शहरी इलाके में इस महीने शीतलहर जैसी स्थिति नहीं बनी है, मगर आउटर में कड़ाके की ठंड का असर रहा है। सरगुजा संभाग में तो बलरामपुर के कई इलाकों में सर्द हवा का दौर चलता रहा और मैनपाट, कोरिया जैसे इलाके में तापमान एक डिग्री तक पहुंचने की वजह से सुबह के वक्त पाला जमता रहा।

सरकार ने कराया है राजस्व संहिता में संशोधन

अब जमीन जायदाद की रजिस्ट्री होते ही हो जाएगा नामांतरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब जमीन जायदाद की रजिस्ट्री होने के बाद संपत्ति का नामांतरण हो जाएगा। इससे पहले बरसों से यह होता रहा है कि नामांतरण के लिए पटवारी, आरआई से लेकर तहसीलदार के दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, कई दिनों के इंतजार के बाद भी अघोषित कीमत चुकाने के बाद रिकार्ड में नाम चढ़ पाता था।

राज्य सरकार ने अब रजिस्ट्री के बाद सीधे नामांतरण के लिए बड़े कदम उठाए हैं। सबसे पहले तो भू-राजस्व संहिता में संशोधन कराया है। यही नहीं, इस काम के लिए एक सॉफ्टवेयर भी बनाया जा रहा जो भुईयां पोर्टल से जुड़ा होगा।

अब नामांतरण के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं

तैयार हो रहा है सॉफ्टवेयर

राजस्व एवं पंजीयन विभाग के सूत्रों के अनुसार रजिस्ट्री के बाद सीधे नामांतरण के लिए सरकार एक नया सॉफ्टवेयर तैयार करवा रही है। यह सॉफ्टवेयर एनआईसी-चिप्स के सहयोग से बन रहा है। अब जैसे ही किसी जमीन-जायदाद की रजिस्ट्री होगी उसके बाद खरीददार या भूमि स्वामी का नाम भुईयां पोर्टल में अपडेट हो जाएगा। इस काम के लिए किसी के पास जाने की जरुरत नहीं होगी। जानकार ये भी बताते हैं कि राजस्व अमले से जुड़े कर्मचारियों अधिकारियों का एक वर्ग इस नई व्यवस्था के खिलाफ है। एक शासकीय बैठक में ये दलील भी दी गई है। ऐसा करने पर फर्जी रजिस्ट्रियों होंगी, लेकिन इस विरोध को सरकार ने दरकिनार किया है।

सरकार ने कराया एक्ट में संशोधन

राज्य सरकार ने नामांतरण की प्रक्रिया को पारदर्शी और दोष रहित बनाने के साथ ही इस काम में तकनीक की सहायता लेने के लिए जरुरी कदम उठाएं है। इस बदलाव के लिए राजस्व संहिता में संशोधन कराया गया है। छत्तीसगढ़ विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया था। इस विधेयक पर विचार-विमर्श के बाद इसे विधानसभा से पारित ▶▶ शेष पेज 13 पर

भूमि स्वामियों के लिए बड़ी राहत

जानकारों का मानना है कि सरकार के इस कदम से उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो जमीन-जायदाद खरीदते हैं। ऐसे लोगों के सामने राजस्व विभाग का सबसे बड़ा पेंच यही रहता था कि पंजीकृत रजिस्ट्री को कैसे अपने नाम पर चढ़वाया जाए। दरअसल अब तक होता ये रहा है कि पंजीकृत रजिस्ट्री लेकर लोग पटवारी के पास जाते हैं। पटवारी रजिस्ट्री के मूल दस्तावेज की मांग कर अपने पास रख लेता है। फिर 15 दिन से लेकर 2-3 माह तक का इंतजार भी करवाता है। यह प्रक्रिया तहसीलदार तक पंहुचती है। ऐसी शिकायतें भी रहती हैं कि बिना लेनदेन यह संभव नहीं हो पाता।

एस.आर. पैरामेडिकल कॉलेज

छ.ग. शासन के पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ

सीमित सीटें

उपलब्ध पैरामेडिकल टेक्निशियन कोर्स

- ऑपरेशन थियेटर टेक्निशियन
- पैथोलॉजी लैब टेक्निशियन
- एक्स-रे टेक्निशियन

सरकारी नौकरी हेतु मान्यता प्राप्त कोर्स

काउंसलर का मोबाईल नं.-7880102604

चिखली, पोस्ट-जेवरा सिरसा, धमधा रोड, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं...

मन में भरपूर उमंग,
गुड़ जैसा मिले आपको मीठापन,
साथ मिलकर उड़ाएंगे पतंग,
आकाश में भर डालेंगे अपने रंग

मकर संक्रान्ति का महत्व

शास्त्रों के अनुसार दक्षिणायण को देवताओं की रात्रि अर्थात् नकारात्मकता का प्रतीक तथा उत्तरायण को देवताओं का दिन अर्थात्सकारात्मकता का प्रतीक माना गया है। चूंकि मकर संक्रान्ति के दिन सूर्य की उत्तरायण गति प्रारंभ होती है इसीलिए इस दिन जप, तप, दान, स्नान, श्राद्ध, तर्पण आदि धार्मिक क्रियाकलापों का विशेष महत्व है। सामान्यतः सूर्य सभी राशियों को प्रभावित करते हैं, किन्तु कर्क व मकर राशियों में सूर्य का प्रवेश धार्मिक दृष्टि से अत्यन्त फलदायक है।

मकर संक्रान्ति से पहले सूर्य दक्षिणी गोलार्ध में होते हैं इसी कारण भारत में रातें बड़ी एवं दिन छोटे होते हैं तथा सर्दी का मौसम होता है। किन्तु मकर संक्रान्ति के दिन से सूर्य उत्तरी गोलार्द्ध की ओर आना प्रारंभ करते हैं, जिसके कारण इस दिन से रातें छोटी एवं दिन बड़े होने लगते हैं तथा गरमी का मौसम शुरू हो जाता है।

मकर संक्रान्ति का ऐतिहासिक महत्व

1. पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। चूँकि शनिदेव मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रान्ति के नाम से जाना जाता है। 2. महाभारत काल में भीष्म पितामह ने अपनी देह त्यागने के लिये मकर संक्रान्ति का ही चयन किया था। 3. मकर संक्रान्ति के दिन ही गंगाजी भगीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होती हुई सागर में जाकर मिली थीं। 4. यशोदा जी ने जब कृष्ण जन्म के लिए व्रत किया था तब सूर्य देवता उत्तरायण काल में पदार्पण कर रहे थे और उस दिन मकर संक्रान्ति थी, तभी से मकर संक्रान्ति व्रत का प्रचलन शुरू हुआ।

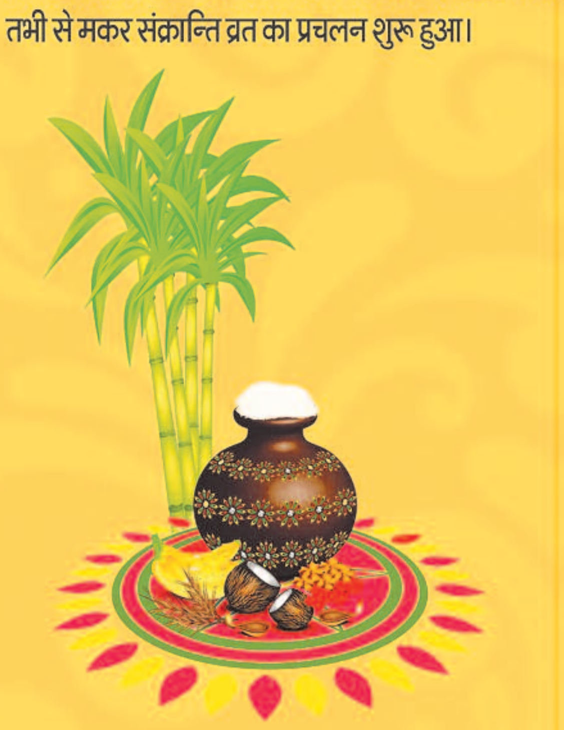

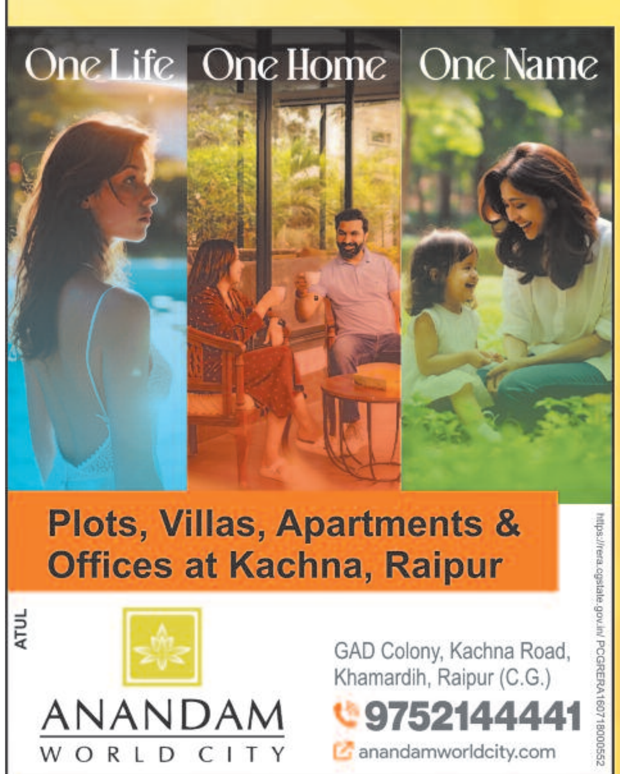

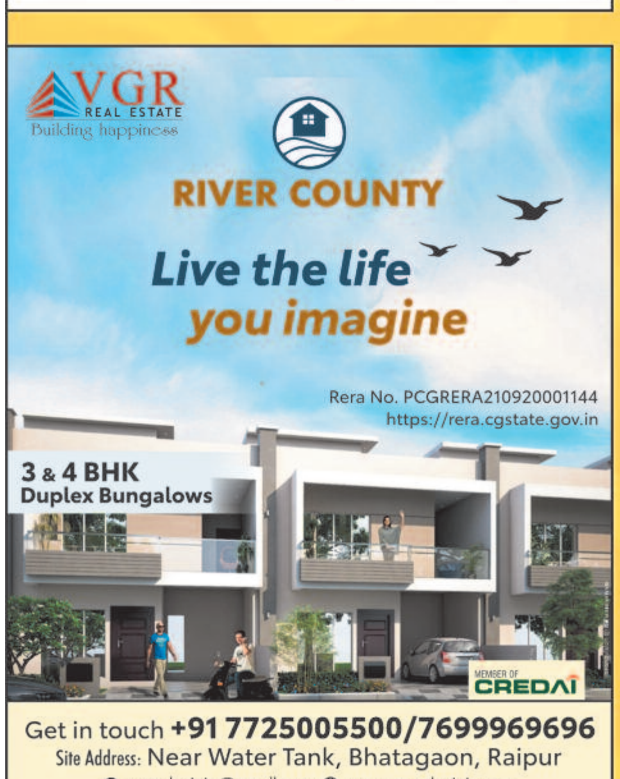

पर्व : अन्नदान को दान नहीं माना जाता क्योंकि अन्न बांटकर खाने की चेतना है

पुन्नी पर शिव मंदिर में लगा मेला व विधायक की टोली ने बाजे गाजे से साथ छेरछेरा में मांगा दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छेरछेरा पर्व में अंचल के ग्राम पंचायत चरौदा में प्रतिवर्ष ऐतिहासिक शिव मंदिर में विशाल मेला का आयोजन किया जाता है जंहा पर धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा ने गांव में बाजे गाजे के साथ कार्यकर्ताओ के साथ घर घर छेरछेरा मांगे। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने क्षेत्र सहित प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक पर्व छेरछेरा की बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की है। विधायक अनुज ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा है कि छेरछेरा पर्व नई फसल के घर आने की खुशी में पौष पूर्णिमा के दिन छत्तीसगढ़ में बड़े ही धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन दान करने से घरों में धन धान्य की कोई कमी नहीं होती।श्री शर्मा ने कहा कि महादान और फसल उत्सव के रूप में मनाया जाने वाला छेरछेरा त्योहार हमारी सामाजिक समरसता, दानशीलता की और समृद्ध गौरवशाली परम्परा का संवाहक है। इसी दिन मां शाकम्भरी जयंती भी मनाई जाती है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान शंकर ने माता अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगी थी, इसलिए लोग धान के साथ साग-भाजी, फल का दान भी करते हैं।

छेरछेरा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

तिल्दा नेवरा। तिल्दा नेवरा शहर व क्षेत्र में छेरछेरा का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक धूमधाम के साथ मनाया गया है , बच्चों से लेकर बड़ों , युवाओं से लेकर यूतियां एवं महिलाओं द्वारा घर-घर जाकर छेरछेरा की मांग की जा रही है, जहां धान चावल , रुपए पैसे आदि दान स्वरूप दिए गए।

काफी हर्षोल्लास पूर्वक वातावरण में छेरछेरा का पर्व यहां मनाया जा रहा है , और सुबह से ही बच्चे युवा युवतियां महिलाएं आदि घर-घर छेरछेरा मांगने निकले हुए हैं।

आम सूचना

(वाके मौजा भरेंगा खसरा नं. 1117/2, का भाग रकबा 0.2200 हे. भूमि के सबंध में)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामि श्रीमान महंत देवदास महंत पिता रामनारायण की स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि वाके मौजा भरेंगा प.ह.नं. 00009 रा.नि.मं. अभनपुर तह. अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 1117/2, का भाग रकबा 0.2200 हे. भूमि को मेरा पक्षकार ने क्रय करने का पक्का सौदा तय कर बयाना राशि भुगतान कर दिया है अब मात्र विक्रय पंजीयन बैनामा का निष्पादन करना शेष है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से मेरा पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को उपरोक्त विक्रेता से कय करने का सौदा हो चुका है यदि किसी आम जनता, व्यक्ति, बैंक, बीमा, कंपनी, साहूकार शासकीय संस्था, अर्धशासकीय संस्था एवं निजि संस्था को उपरोक्त संव्यवहार से किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय के दिये गये पते में आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें समयावधि पश्चात दिया गया आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक-13/01/2025

भवदीय
टी.एस. सेठ अधिवक्ता,
रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती धरमौतिन चंदाने पति श्री शोभाराम चंदाने, निवासी- म.नं. 49, ग्राम जोरा, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि वाके मौजा जोरा, प.ह.नं. 43/66, रा.नि.मं. रायपुर-1, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित खसरा नंबर 89/1,89/2 रकबा 0.048 हेक्टेयर पर अर्थात 5167 वर्गफुट है जो समस्त राजस्व अभिलेखो मे नाम दर्ज है जिसे क्रेता श्री युवराज देशराज पिता श्री मोहन लाल देशराज, निवासी- वार्ड नं.-1 भटगांव, माना तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के पास विक्रय करने दिनांक 24/12/2021 को इकरारनामा निष्पादित किया था जिसमे इकरारशुदा भूमि का बैनामा पंजीयन दिनांक 15/01/2022 की अवधि के भीतर शेष रकम अदा कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन करा लेना था, इकरारनामा / अनुबंध मे समय ही संविदा का सार था। किन्तु क्रेता के द्वारा समयावधि का पालन न कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन कराने में असफल रहा है।

अतः उपरोक्त क्रय-विक्रय के संव्यवहार के आधार पर आप क्रेता को एक समय प्रदान करते हुए समय दिया जाता है कि सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इकरारनामा में उल्लेखित शेष रकम का भुगतान कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन करा लेवे, दी गई समयावधि मे चूक करने से ऐसा माना व समझा जावेगा कि आप क्रेता भूमि/मकान को क्रय करने के इच्छुक नही है ऐसी दशा मे आप क्रेता से की गई इकरारनामा दिनांक 24/12/2021 मेरे पक्षकारगण पर बंधनकारी व लागू नही रहेगा तथा की गई इकरारनामा स्वतः ही समाप्त हो जावेगा।

अतः सो सूचना जाने।

रायपुर
दिनांक 13/01/2025

भवदीय
के.आर. बंजारे, ए. के. अनंत (अधिवक्तागण)
म.नं. 646,/55 त्रिवेदी सदन के पास
कृष्णानगर, संतोषीनगर रायपुर छ.ग.
मो. 89658-33947, 93291-20680

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्रीमती कौशिल्या, पति स्व. श्री अमर दास, निवासी बासीन, दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) 490024 वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- मुरमुंदा, प.ह.नं. 00016, रा.नि.मं.- मुरमुंदा, तहसील अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.) है जिसका खसरा नं. 441, रकबा - 1.0100 है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर दी गई है बयाना राशि का भुगतान किया जा चुका है, एवं विक्रय पंजीयन की कार्यवाही किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नही किया जायेगा। यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर छ.ग. दिनांक 13/01/2025

(गीतेश कुमार बैस) अधिवक्ता
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. 98274-62029, 98261-10027

अंचल में मनाया गया छेरछेरा

तरपोंगी। लोक पारंपरिक त्यौहार दान का पर्व छेरछेरा क्षेत्र के गांवों में उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही बच्चों की टोली घर घर छेरछेरा की आवाज लगाते हुए पहुंचने लगे। बच्चों के अलावा जवान, बूढ़े भी टोली बनाकर बाजा गाजा के साथ कहीं मांदर की थाप तो कहीं गड़वा बाजा तो कहीं बैंड बाजा के साथ नाचते गाते हुए दोपहर तक छेरछेरा मांगते रहे। फसल अच्छी होने से किसानों में उत्साह का माहौल है। किसानों ने खुलकर दान दिया।

पेज 11 के शेष...

26 नवंबर को होता...

इस पर निर्णय नहीं हो सका है। हालांकि 26 नवंबर को जो अधिसूचना जारी होती है, उस मुख्य सेवा परीक्षा की शुरुआत सामान्यतः प्रारंभिक परीक्षा के साथ अगले वर्ष फरवरी के प्रथम रविवार से होती है। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि इस अधिसूचना को वार्षिक कैलेंडर से पृथक ही रखा जाएगा।

शहर में बढ़ गए...

बदमाश बढ़ने से हत्या की घटनाएं बढ़ीं : बदमाशों की संख्या बढ़ने की वजह से जिले में हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2023 में जहां एक साल में 63 हत्या की घटनाएं हुई थीं। वहीं वर्ष 2024 में 78 हत्या की घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2023 की तुलना में हत्या की वारदात में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जो पुलिस के लिए चिंता का विषय है। उनमें 10 हत्या के मामलों के अपराधी अब तक गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। जनवरी में ही रायपुर जिले में 14 दिनों के भीतर आधा दर्जन से ज्यादा हत्या की घटना हो चुकी है।

शराब घोटाला मामले में...

स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व एमडी अरुण पति त्रिपाठी, तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास, प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के डायरेक्टर विधु गुप्ता, अकाउंटेंट सुनील दत्त और स्टेट हेड दिलीप पांडे को आरोपी बनाया गया है। इसमें नकली होलोग्राम मामले के आरोपी भी शामिल हैं।

सही ठिकानों पर नहीं...

रीएजेंट को उन अस्पतालों में भिजवाने के दावे किए गए थे, जहां संबंधित बीमारियों की जांच और इलाज होता है। किए गए दावों को महीनेभर से अधिक का समय बीत चुका हैं, मगर अब तक रीएजेंट सही ठिकानों तक नहीं पहुंच पाए हैं, जिसकी वजह से उनका वास्तविक उपयोग नहीं हो पाया है। आशंका है कि योजना बनाने के बाद भी उपयोग नहीं होने के कारण डंप करोड़ों के रीएजेंट दवा गोदाम और स्वास्थ्य केंद्रों में पड़े-पड़े ही एक्सपायर हो जाएंगे।

नमी के प्रभाव से...

में है और उत्तर में ठंड का प्रभाव अधिक है। आने वाला पश्चिमी विक्षोभ मौसम में लगातार बदलाव कर रहा है। आने वाली नमीयुक्त हवा के असर से राजधानी का अधिकतम तापमान उछलकर 17 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं प्रदेश का न्यूनतम तापमान दस डिग्री से अधिक होने की वजह से ठंड सिमट सी गई है। सोमवार को दिनभर छाए बादलों की वजह से धूप का असर नहीं हुआ है। अभी सरगुजा में भी शीतलहर समाप्त हो गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चौबीस घंटे स्थिरता के बाद तापमान को ऊपर चढ़ाने वाला नया पश्चिमी विक्षोभ भी आ रहा है। इसके प्रभाव से न्यूनतम तापमान बढ़ोतरी का दौर चलने की संभावना है।

मकर संक्रांति से ठंड कम:- मान्यता के अनुसार मकर संक्रांति के बाद ठंड का असर कम होने लगता है। दूसरी ओर मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पहले जनवरी के प्रथम और द्वितीय सप्ताह को ठंड का पीक माना जाता था। पिछले चार पांच सालों से इसमें बदलाव नजर आने लगा है। प्रदेश में ठंड का असर अब तीसरे और चौथे सप्ताह में अधिक होता है। इस बार भी स्थिति सामान्य रहने पर आने वाले दिनों में ठंड पड़ने की संभावना है।

सरकार ने कराया...

कर दिया गया। इस संशोधन के तहत, अब छत्तीसगढ़ में निर्विवाद जमीन का स्वतः नामांतरण होगा। वहीं, जियो रिफरेंस वाली जमीन का नामांतरण रजिस्ट्री के साथ किया जाएगा। यही नहीं नए प्रावधानों के अनुसार, भूमि विवाद मामलों में पक्षकार को डिजिटल माध्यम से भी नोटिस भेजा जा सकेगा। इसके अलावा, राजस्व न्यायालय में अब ऑनलाइन कागजात भी मंगवाए जा सकेंगे।

बारवाँ एवं गंगा प्रसादी

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि तिल्दा नेवरा के अग्रवाल आभूषण के संचालक

श्री संतोष अग्रवाल जी

जन्म 11 जून 1968 का देवगमन 02/01/2025 को हो गया है

बारवाँ एवं गंगा प्रसादी - 14 जनवरी 2025, मंगलवार दोपहर 1 बजे

पगड़ी रस्म - 14 जनवरी 2025, शाम 4 बजे

निज निवास नेवरा

शोकाकुल - समस्त सावा परिवार

खबर संक्षेप

दया भवन के मेंटनेंस के लिए मिले 15 लाख, जताया आभार

रायपुर। श्री गुजराती ब्रह्म समाज के त्रिमूर्ति नगर फाफाडीह स्थित दया भवन के ग्राउंड फ्लोर की मरम्मत, रखरखाव एवं रंगरोगन के लिए रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा ने विधायक निधि से 15 लाख रुपए देने की घोषणा की है। साथ ही अगले वित्तीय वर्ष में भी पुनः विधायक निधि से सहयोग करने का अश्वासन दिया है। इस मौके पर समाज के अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने बताया कि दया भवन का उपयोग पूर्णतः सामाजिक कार्यों के लिए तथा धार्मिक एवं मांगलिक कार्यक्रमों के लिए न्यूनतम दरों पर किया जाता है। दया भवन को लगभग 10-12 वर्ष पूरे होने के कारण मरम्मत एवं रखरखाव की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। श्री व्यास एवं अशोक त्रिवेदी ने गुजराती ब्रह्म समाज को मरम्मत, रखरखाव एवं सौंदर्यीकरण के लिए 15 लाख का सहयोग प्राप्त होने पर विधायक का आभार प्रकट किया है।

संकटमोचन हनुमान मंदिर में अखंड पाठ आज

रायपुर। मकर संक्रांति के अवसर बुढ़ापारा स्थित श्री संकटमोचन वीर हनुमान मंदिर के प्रांगण में 14 जनवरी को अखंड रामायण पाठ का आयोजन रखा गया है। अखंड पाठ 14 से 15 जनवरी तक होगा। यह जानकारी कार्यक्रम आयोजक ने देते हुए बताया कि मंगलवार संध्या को खिचड़ी प्रसाद वितरण किया जाएगा। साथ ही संकटमोचन हनुमानजी का दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे।

चितवन वृद्धाश्रम में ठंड से बचाने बांटे स्वेटर

रायपुर। मानव सेवा समिति रायपुर शाखा द्वारा टिकरापारा स्थित चितवन वृद्धाश्रम में सोमवार को वृद्धजनों को स्वेटर का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम गुरुदेव सतपाल महाराज की प्रेरणा से श्री विभु सत्संग आश्रम की प्रभारी महात्मा दीप्ति बाई एवं महात्मा विलक्षणा बाई के मार्गदर्शन में किया गया। मीडिया प्रभारी सत्यप्रकाश ने बताया कि कार्यक्रम में संस्था के वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. पीएल तारक, अनीश, अनिल, कुंदन, विजयलक्ष्मी, येमलाल, धनेश्वरी आदि स्वयंसेवक समेत अन्य उपस्थित रहे।

निधन

शिव बाई कुंजाम

रायपुर। पचपेड़ी नाका आम्रपाली सोसायटी निवासी शिव बाई कुंजाम (86) का 12 जनवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे टीआर कुंजाम, सेल्वा राज कुंजाम व पूर्णिमा कुंजाम की माता थीं।

मेट्रो की तर्ज पर मॉडल स्टेशन में सुविधाएं, वायु और ध्वनि प्रदूषण से भी मिलेगी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में रायपुर और दुर्ग स्टेशन काा मॉडल स्टेशन के रूप में पुनर्विकास किया जाएगा। विभिन्न चरणों में यह कार्य किया जाएगा, जिसकी शुरुआत हो चुकी है। रेलवे गुढ़ियारी की तरफ कई पुरानी बिल्डिंग में तोड़फोड़ शुरू कर चुका है। सामने की ओर जल्द ही कार्य शुरू होगा। बीते दिनों स्टेशन पुनर्विकास कर रही ठेका कंपनी ने वायु और ध्वनि प्रदूषण की मशीन के जरिए जांच की।

हरिभूमि से बातचीत में बताया कि मॉडल स्टेशन में यात्रियों को केवल आधुनिक सुविधाएं ही नहीं, बल्कि ध्वनि और वायु प्रदूषण से बड़ी राहत मिलेगी।

बस्तर छत्तीसगढ़ आर्ट से सजेगा स्टेशन

स्टेशन में रिजर्व लॉज, मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब, कोनकोर्स एरिया, बस्तर छत्तीसगढ़ी आर्ट से सुसज्जित होगा। रायपुर स्टेशन विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं से उन्नत होगा। वर्तमान समय में रायपुर स्टेशन पर लगभग 50 हजार यात्रियों का आवागमन होता है। भविष्य में यात्रियों की संख्या और बढ़ाने को देखते हुए स्टेशन डेवलपमेंट में यात्री सुविधा उन्नत की जा रही है। सभी कार्य योजनाबद्ध तरीके से किए जाएंगे। रायपुर स्टेशन पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों से यात्रियों के लिए आरामदायक व सुलभ यात्रा के साथ ही उन्हें यात्रा का अनुभव प्राप्त होगा तथा संस्कृति, पर्यटन और व्यापार में भी व्यापक विस्तार होगा।

- रेलमंडल के रायपुर और दुर्ग स्टेशन का पुनर्विकास
- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशन का हो रहा कायाकल्प

74 टॉयलेट और 12075 स्क्वेयर मीटर प्लेटफार्म शेल्टर

रायपुर स्टेशन का मेजर री-डेवलपमेंट लगभग 482.48 करोड़ का है। स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाएं और यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लक्ष्य के साथ विकसित किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के आसपास अच्छी व्यवस्था होने से आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। यात्रियों के अनुकूल सर्वसुविधायुक्त बनाने भव्य प्रवेश एवं विकास द्वार, यात्रियों के आवागमन एवं निकास के लिए सुगम पथ, 10 टिकट बुकिंग विंडो, बेहतरीन प्लेटफार्म सरफेस, 300 किलोवाट पॉवर सोलर सोलर पैनल युक्त ऊर्जा संरक्षण, प्रत्येक प्लेटफार्म पर 26 कोच इंडिकेशन बोर्ड, 74 टॉयलेट, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, 6 मीटर चौड़े तीन फुट ओवरब्रिज, 40 वाटर कूलर, 42 लिफ्ट, 3512 स्क्वायर मीटर पार्सल एरिया, 12075 स्क्वायर मीटर प्लेटफार्म शेल्टर, 10 यात्री आरक्षण सुविधा काउंटर, 16 एस्केलेटर लगाए जाने हैं।

वर्तमान में स्टेशन परिसर का शोर मापदंड से अधिक है। वायु में ही धूल और राख अधिक पाई गई है।

मॉडल स्टेशन को इस तरह विकसित किया जाएगा कि ध्वनि और वायु अपने मापदंड से अधिक न हो। मशीन के जरिए सैंपल लिया गया है, जिसकी लैब जांच होगी। ठेका कंपनी का कहना है कि एयरपोर्ट पर अत्यधिक शोर सुनाई नहीं आता है। इसके पीछे बिल्डिंग की बनावट होती है, जिससे आवाज कानों को चुभती नहीं है। रेलवे स्टेशन भी इसी तरह बनाया जाएगा, ताकि अंदर का शोर बाहर न आए और बाहर की आवाज को कम किया जा सके।

त्रिपक्षीय एमओयू के बाद प्लांट लगाने के लिए रावांभाठा में जमीन भी तय

सीबीजी प्लांट का मसौदा, रेट-लीज टाइम तय नहीं होने से अधर में, जमीन पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रोज वार्डों से मिलने वाले ठोस कचरे का स्थाई निदान करने के लिए होने वाली कारगर पहल सालभर में फाइल से बाहर नहीं निकली है। अभी तक रेट और लीज टाइम तय नहीं होने से प्लांट का काम भी शुरू नहीं हुआ है, जबकि त्रिपक्षीय एमओयू के तहत प्लांट लगाने के लिए बिरगांव निगम सीमा के रावांभाठा वार्ड में स्थित 20 एकड़ से भी ज्यादा एरिया को तय किया गया है। इसके बाद जिम्मेदार सुध नहीं ले रहे हैं। इससे जमीन पर करीब 6 महीने पहले की गई कार्रवाई के बाद फिर कब्जा होने लगा है।

खास खबर

रायपुर और बिरगांव निगम के बीच सीबीजी प्लांट लगाने की तैयारी जिस उत्साह से शुरू की गई थी, वह अब सरकारी प्रक्रिया का हिस्सा बनने लगी है। सूत्रों ने बताया कि रायपुर- भिलाई निगम सीमा में अलग-अलग कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र स्थापित करने त्रिपक्षीय समझौता करीब सालभर पहले हुआ है। इन दोनों संयंत्रों में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड करीब 100 करोड़ रुपए का निवेश करने वाला है। सरकार के साथ सीएम आवास में बीपीसीएल के साथ एमओयू भी हुआ हैं। इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में हरसंभव सहयोग का भरोसा सरकार ने दिलाया है। इसके तहत शहर के पानी को फिल्टर करने वर्षों पहले बनाए गए प्रोजेक्ट के लिए तय जमीन का उपयोग अब बायोगैस प्लांट लगाने के लिए लीज पर देने की तैयारी है।

डिटेल फिजिबिलिटी रिपोर्ट को..

संयंत्र लगाने के लिए त्रिपक्षीय समझौता इसलिए किया गया था, ताकि रायपुर और बिरगांव निगम के 110 वार्डों से निकलने वाले कचरे का उपयोग करके बायोगैस तैयार की जाए। जमीन की लीज का मसौदा रेट और टाइन को लेकर फंसा है। प्रोजेक्ट के डिटेल फिजिबिलिटी रिपोर्ट को अभी मंजूरी नहीं मिली है। इस प्रोजेक्ट के लिए बीपीसीएल के साथ छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) व रायपुर और भिलाई निगम के बीच समझौता हुआ। इसके बाद से काम को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया भी अटकी हुई है।

रिपोर्ट को मंजूरी के बाद निर्माण

बायोगैस प्लांट के लिए तय रेट व लीज का प्रावधान होना है। जमीन बिरगांव के रावांभाठा क्षेत्र में तय किया गया है। शासन को एमओयू के तहत रिपोर्ट भेजी गई है। वहां से मंजूरी के बाद निर्माण शुरू होगा। जमीन पर अगर कब्जा हो रहा है, तो उसे लीज की स्वीकृति के बाद खाली कराया जाएगा।

- अविनाश मिश्रा, आयुक्त नगर निगम, रायपुर

250 मीट्रिक टन कचरे की खपत

सार्वजनिक उपक्रम बीपीसीएल इस प्रोजेक्ट के लिए सौ करोड़ का निवेश करके सीबीजी प्लांट लगाएगा। हर संयंत्र की क्षमता 100 से 150 टन प्रतिदिन होगी। सीबीजी संयंत्रों में जैव ईंधन के उत्पादन में हर दिन 200-250 मीट्रिक टन ठोस कचरे की खपत होगी। संयंत्र से हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 60 हजार युवाओं को रोजगार मिलेंगे। हर साल शासन को जीएसटी मिलेगा। कम्प्रेस्ड बायोगैस संयंत्र में पूरी क्षमता से उत्पादन व बिक्री का प्रावधान है। इससे जैविक खेती को बढ़ावा के साथ शहर भी साफ होगा।

कमिश्नर ने निरीक्षण कर दिए सुधारने के निर्देश

उद्यानों में लगे झूले, ओपन जिम के उपकरण व फव्वारे बिगड़े हुए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर के ज्यादातर उद्यानों में लगे बच्चों के झूले, ओपन जिम के उपकरण एवं फव्वारे बिगड़े हुए हैं। नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने सोमवार को उद्यानों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उद्यानों की स्थिति देखने के बाद उन्होंने बिगड़े झूलों, ओपन जिम के उपकरणों एवं फव्वारों को सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने रंग-रोगन के साथ नियमित सफाई करने के भी निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश पर उद्यानों को फिर से संवारने में जुटा निगम

नगर निगम में प्रशासक के रूप में कलेक्टर गौरव सिंह द्वारा कमान संभालने के बाद शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुचारू रूप से गाड़ियों के आवागमन के लिए अवैध कब्जों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं दूसरी ओर शहर के उद्यानों को फिर से संवारने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने बालाजी गार्डन, शंकर नगर गार्डन एवं आनंद नगर गार्डन का निरीक्षण किया। इन सभी गार्डनों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई थी, वहीं यहां लगे ओपन जिम के कई उपकरण व फव्वारे भी खराब मिले। इसके साथ झूले भी टूटे-फूटे मिले। कमिश्नर ने अधिकारियों को इन सभी को सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने उद्यानों का रंग-रोगन करने तथा नियमित सफाई करने के भी निर्देश दिए।

तालाब एवं शौचालयों की सफाई करने दिए निर्देश

कमिश्नर ने उद्यानों के अलावा पंडरी तराई तालाब सहित कई सार्वजनिक शौचालयों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान तालाब और शौचालयों में भी भारी गंदगी मिली, जिस पर नाराजगी जताते हुए कमिश्नर ने सफाई कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी शौचालयों में क्यूआरकोड लगाने, पेमेंट मशीन लगाने के साथ नियमित सफाई कराने के भी निर्देश दिए।

गुटीय विवाद पर हत्या के आरोप में आठ और गिरफ्तार ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- शराब पीने के विवाद पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए थे
- घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है

आमासिवनी में पिछले वर्ष नवंबर में शराब पीने के विवाद पर हत्या के मामले में विधानसभा थाने की पुलिस ने सोमवार को आमासिवनी के रहने वाले आठ लड़कों को गिरफ्तार किया है। लड़कों की गिरफ्तारी के बाद आक्रोषित क्षेत्रवासियों ने विधानसभा रोड जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस अफसरों की समझाइश पर लोग लौटे। उल्लेखनीय है कि शराब पीने के दौरान दो गुट आपस में भिड़ गए थे। एक गुट के लड़कों ने दूसरे गुट के सड्डू, खालबाड़ा निवासी रोहित सागर की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। दूसरे गुट के लड़कों ने भी आमासिवनी निवासी हरीश साहू का अपहरण कर उसकी भी हत्या कर दी थी।

पुलिस ने रोहित सागर की हत्या के आरोप में निखिल उर्फ आशू तिवारी, राकेश यादव, सूरज बंजारे, सौरभ वर्मा, शहजाद खान, सोमनाथ साहू, गितेश कुमार यादव तथा टिकेश तुकराने को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पूर्व में दोनों गुट के पांच लड़कों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सभी को सीसीटीवी फूटेज की पड़ताल कर गिरफ्तार किया है।

निकाय-पंचायत चुनाव की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- प्रारंभिक प्रकाशन 31 दिसंबर को हो चुका
- 1 जनवरी को 18 साल वाले भी बनेंगे मतदाता

छत्तीसगढ़ में जल्द होने वाले नगरीय निकायों और त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी को होगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस काम के लिए पूर्व में जारी कार्यक्रम में संशोधन भी किया है। इसके साथ ही 1 जनवरी 2025 को 18 साल की आयु प्राप्त कर लेने वाले युवाओं का नाम भी मतदाता सूची में शामिल किया जा रहा है। इधर चुनाव के पहले ही ये साफ हो गया है कि निकाय के चुनाव ईवीएम से और पंचायतों के चुनाव बैलेट पेपर के माध्यम से कराए जाएंगे। मेयर और अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होगा।

प्रारंभिक प्रकाशन के बाद अब अंतिम की तैयारी

छत्तीसगढ राज्य निर्वाचन आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरीय निकायों और पंचायतों के मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 31 दिसंबर को किया गया है। निर्वाचक नामावली उपलब्ध कराना, दावेआपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तारीख 06 जनवरी थी। दावे आपत्तियों का निपटारा 09 जनवरी को हुआ है। नगरीय निकायों और पंचायतों के मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी तय की गई है। ऐसे युवा मतदाता जिन्होंने 1 जनवरी 2025 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली हो, वह भी मतदाता बनने के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा करने के निर्देश दिए गए थे। इस तरह नई मतदाता सूची तैयार होने के बाद ही नगरीय निकाय के चुनाव होंगे।

इस प्रक्रिया से जुड़ रहे हैं नाम

मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची बनाने और नए नाम जोड़ने के संबंध में जारी निर्देश में साफ किया है कि किस प्रक्रिया से नाम जोड़े जाने हैं। इससे पहले छत्तीसगढ शासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राजपत्र (असाधारण)4 दिसम्बर, 2024 के माध्यम से छत्तीसगढ़ पंचायत निर्वाचन नियम, 1995 में संशोधन किया गया है। ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली तैयार किये जाने समय अनुसूची संबंधी आदेश जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के तहत प्रत्येक व्यक्ति जो ग्राम से संबंधित विधानसभा की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किये जाने के लिए अर्हित है या जिसका नाम उसमें प्रविष्ट है, ग्राम पंचायत की निर्वाचक नामावली में रजिस्ट्रीकृत किये जाने के लिए हकदार होगा। उपरोक्त प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए विधानसभा की अद्यतन निर्वाचक नामावली में दर्ज मतदाताओं के नाम ग्राम पंचायतों की निर्वाचक नामावली में दर्ज किया जाना है। संशोधित नियमों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण अधकारी ग्राम पंचायतों के निर्वाचक नामावली के अंतिम प्रकाशन के पूर्व स्वप्रेरणा सेपात्र मतदाताओं के नाम दर्ज करने का आदेश कर सकेगा।

पेज 11 के शेष ...

26 नवंबर को होता...

इस पर निर्णय नहीं हो सका है। हालांकि 26 नवंबर को जो अधिसूचना जारी होती है, उस मुख्य सेवा परीक्षा की शुरुआत सामान्यतः प्रारंभिक परीक्षा के साथ अगले वर्ष फरवरी के प्रथम रविवार से होती है। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि इस अधिसूचना को वार्षिक कैलेंडर से पृथक ही रखा जाएगा।

शहर में बढ़ गए...

बदमाश बढ़ने से हत्या की घटनाएं बढ़ीं : बदमाशों की संख्या बढ़ने की वजह से जिले में हत्या की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2023 में जहां एक साल में 63 हत्या की घटनाएं हुई थीं। वहीं वर्ष 2024 में 78 हत्या की घटनाएं हुई हैं। वर्ष 2023 की तुलना में हत्या की वारदात में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, जो पुलिस के लिए चिंता का विषय है। उनमें 10 हत्या के मामलों के अपराधी अब तक गिरफ्तार नहीं किए गए हैं। जनवरी में ही रायपुर जिले में 14 दिनों के भीतर आधा दर्जन से ज्यादा हत्या की घटना हो चुकी है।

शराब घोटाला मामले ...

स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व एमडी अरुण पति त्रिपाठी, तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास, प्रिज्म होलोग्राफी कंपनी के डायरेक्टर विधु गुप्ता, अकाउंटेंट सुनील दत्त और स्टेट हेड दिलीप पांडे को आरोपी बनाया गया है। इसमें नकली होलोग्राम मामले के आरोपी भी शामिल हैं।

सही ठिकानों पर नहीं...

रीएजेंट को उन अस्पतालों में भिजवाने के दावे किए गए थे, जहां संबंधित बीमारियों की जांच और इलाज होता है। किए गए दावों को महीनेभर से अधिक का समय बीत चुका हैं, मगर अब तक रीएजेंट सही ठिकानों तक नहीं पहुंच पाए हैं, जिसकी वजह से उनका वास्तविक उपयोग नहीं हो पाया है। आशंका है कि योजना बनाने के बाद भी उपयोग नहीं होने के कारण डंप करोड़ों के रीएजेंट दवा गोदाम और स्वास्थ्य केंद्रों में पड़े-पड़े ही एक्सपायर हो जाएंगे।

नमी के प्रभाव से...

में है और उत्तर में ठंड का प्रभाव अधिक है। आने वाला पश्चिमी विक्षोभ मौसम में लगातार बदलाव कर रहा है। आने वाली नमीयुक्त हवा के असर से राजधानी का अधिकतम तापमान उछलकर 17 डिग्री तक पहुंच गया है। वहीं प्रदेश का न्यूनतम तापमान दस डिग्री से अधिक होने की वजह से ठंड सिमट सी गई है। सोमवार को दिनभर छाए बादलों की वजह से धूप का असर नहीं हुआ है। अभी सरगुजा में भी शीतलहर समाप्त हो गई है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि चौबीस घंटे स्थिरता के बाद तापमान को ऊपर चढ़ाने वाला नया पश्चिमी विक्षोभ भी आ रहा है। इसके प्रभाव से न्यूनतम तापमान बढ़ोतरी का दौर चलने की संभावना है।

मकर संक्रांति से ठंड कम : मान्यता के अनुसार मकर संक्रांति के बाद ठंड का असर कम होने लगता है। दूसरी ओर मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पहले जनवरी के प्रथम और द्वितीय सप्ताह को ठंड का पीक माना जाता था। पिछले चार पांच सालों से इसमें बदलाव नजर आने लगा है। प्रदेश में ठंड का असर अब तीसरे और चौथे सप्ताह में अधिक होता है। इस बार भी स्थिति सामान्य रहने पर आने वाले दिनों में ठंड पड़ने की संभावना है।

सरकार ने कराया...

कर दिया गया। इस संशोधन के तहत, अब छत्तीसगढ़ में निर्विवाद जमीन का स्वतः नामांतरण होगा। वहीं, जियो रिफरेंस वाली जमीन का नामांतरण रजिस्ट्री के साथ किया जाएगा। यही नहीं नए प्रावधानों के अनुसार, भूमि विवाद मामलों में पक्षकार को डिजिटल माध्यम से भी नोटिस भेजा जा सकेगा। इसके अलावा, राजस्व न्यायालय में अब ऑनलाइन कागजात भी मंगवाए जा सकेंगे।

आम सूचना

(वाके मौजा भरेंगा खसरा नं. 1117/2, का भाग रकबा 0.2200 हे. भूमि के सबंध में)

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूमि स्वामि श्रीमान महंत देवदास महंत पिता रामनारायण की स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि वाके मौजा भरेंगा प.ह.नं. 00009 रा.नि.मं. अभनपुर तह. अभनपुर जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 1117/2, का भाग रकबा 0.2200 हे. भूमि को मेरा पक्षकार ने क्रय करने का पक्का सौदा तय कर बयाना राशि भुगतान कर दिया है अब मात्र विक्रय पंजीयन बैनामा का निष्पादन करना शेष है।

अतः इस आम सूचना के माध्यम से मेरा पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को उपरोक्त विक्रेता से कय करने का सौदा हो चुका है यदि किसी आम जनता, व्यक्ति, बैंक, बीमा, कंपनी, साहूकार शासकीय संस्था, अर्धशासकीय संस्था एवं निजि संस्था को उपरोक्त संव्यवहार से किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय के दिये गये पते में आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें समयावधि पश्चात दिया गया आपत्ति शून्य माना जावेगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक-13/01/2025

भवदीय
टी.एस. सेठ अधिवक्ता,
रायपुर (छ.ग.)

आम-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीमती धरमौतिन चंदाने पति श्री शोभाराम चंदाने, निवासी- म.नं. 49, ग्राम जोरा, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि वाके मौजा जोरा, प.ह.नं. 43/66, रा.नि.मं. रायपुर-1, तहसील व जिला रायपुर छ.ग. मे स्थित खसरा नंबर 89/1,89/2 रकबा 0.048 हेक्टेयर पर अर्थात 5167 वर्गफुट है जो समस्त राजस्व अभिलेखो मे नाम दर्ज है जिसे क्रेता श्री युवराज देशराज पिता श्री मोहन लाल देशराज, निवासी- वार्ड नं.-1 भटगांव, माना तहसील व जिला रायपुर छ.ग. के पास विक्रय करने दिनांक 24/12/2021 को इकरारनामा निष्पादित किया था जिसमे इकरारशुदा भूमि का बैनामा पंजीयन दिनांक 15/01/2022 की अवधि के भीतर शेष रकम अदा कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन करा लेना था, इकरारनामा / अनुबंध मे समय ही संविदा का सार था। किन्तु क्रेता के द्वारा समयावधि का पालन न कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन कराने में असफल रहा है।

अतः उपरोक्त क्रय-विक्रय के संव्यवहार के आधार पर आप क्रेता को एक समय प्रदान करते हुए समय दिया जाता है कि सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर इकरारनामा में उल्लेखित शेष रकम का भुगतान कर अपने पक्ष मे बैनामा पंजीयन करा लेवे, दी गई समयावधि मे चूक करने से ऐसा माना व समझा जावेगा कि आप क्रेता भूमि/मकान को क्रय करने के इच्छुक नही है ऐसी दशा मे आप क्रेता से की गई इकरारनामा दिनांक 24/12/2021 मेरे पक्षकारगण पर बंधनकारी व लागू नही रहेगा तथा की गई इकरारनामा स्वतः ही समाप्त हो जावेगा।

अतः सो सूचना जाने।

रायपुर
दिनांक 13/01/2025

भवदीय
के.आर. बंजारे, ए. के. अनंत (अधिवक्तागण)
म.नं. 646,/55 त्रिवेदी सदन के पास
कृष्णानगर, संतोषीनगर रायपुर छ.ग.
मो. 89658-33947, 93291-20680

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आम जनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेता श्रीमती कौशिल्या, पति स्व. श्री अमर दास, निवासी बासीन, दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) 490024 वाले के स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- ग्राम- मुरमुंदा, प.ह.नं. 00016, रा.नि.मं.- मुरमुंदा, तहसील अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.) है जिसका खसरा नं. 441, रकबा - 1.0100 है, उक्त सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर दी गई है बयाना राशि का भुगतान किया जा चुका है, एवं विक्रय पंजीयन की कार्यवाही किया जाना शेष है।

अतः उपरोक्त सौदे एवं संव्यवहार के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, निगम, शासकीय व अशासकीय विभाग या अन्य किसी को कोई उजर, दावा या आपत्ति हो अथवा उक्त सम्पत्ति या उसके किसी भी भाग पर किसी प्रकार का स्वत्व, हक, अधिकार या भार हो तो वे इस आम सूचना प्रकाशन के दिनांक से 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति लिखित में सुसंगत दस्तावेजो के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत करें एवं आम सूचना का खंडन किसी भी दैनिक समाचार पत्र में स्वीकार नही किया जायेगा। यह कि उक्त समयवधि के अवसान पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उक्त वर्णित सम्पत्ति के विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा तत्पश्चात प्रस्तुत की गई किसी भी प्रकार की उजर, दावा एवं आपत्ति आदि असत्य झूठा एवं सारहीन माना जावेगा तथा ऐसा आपत्ति मेरे पक्षकार के ऊपर मान्य एवं बंधनकारी नही होगा। सो सूचना जाने।

स्थान - रायपुर छ.ग. दिनांक 13/01/2025

(गीतेश कुमार बैस) अधिवक्ता
साहू काम्पलेक्स, टिकरापारा, रायपुर छ.ग.
मो. नं. 98274-62029, 98261-10027

भाकपा चलाएगी कौमी एकता तथा संविधान बचाओ अभियान

रायपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की विस्तारित बैठक हुई, जिसमें सर्वप्रथम स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाई गई। इस दौरान उनका शिकागो का भाषण, विश्व बंधुत्व, मानवता का संदेश, शोषितजनों के प्रति करुणा, अंधविश्वास, रूढ़िवादिता के खिलाफ संघर्ष के बारे में चर्चा की गई । तथा कम्युनिस्ट पार्टी के 100वें वर्ष के उपलक्ष्य में गंभीर विचार विमर्श हुआ।

आंदोलन का अनोखा तरीका, जमीन पर दंडवत होकर मांगा नौकरी का दान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बीते एक सप्ताह से अपनी सेवा सुरक्षा और समायोजन की मांग कर रहे बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षकों का प्रदर्शन सोमवार को उग्र हो गया। पुरूष शिक्षकों ने वस्त्र उतारकर प्रदर्शन किया। इसके पूर्व आदिवासी महिला शिक्षकों ने नेशनल हाईवे पर दंडवत प्रणाम करते हुए सरकार से सेवा सुरक्षा की गुहार लगाई थी। निष्कासित शिक्षकों ने सोमवार को छत्तीसगढ़ के मंत्रियों के निवास पर जाकर उन्होंने नववर्ष में प्रथम छत्तीसगढ़ी पर्व छेरछेरा के अवसर पर समायोजन का दान देने की गुहार लगाई। दूसरी ओर बस्तर और सरगुजा संभाग के जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा डीएलएड उम्मीदवारों की चयन सूची तैयार की जा चुकी है। बीएड शिक्षकों को बर्खास्तगी संबंधित आदेश से अवगत कराए जाने और उनकी दावा-आपत्ति मंगाए जाने के बाद डीएलएड अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी जाएगी। बीते 14 माह से सेवा दे रहे शिक्षकों के समक्ष अब रोजगार का संकट उत्पन्न हो गया है।

टर्मिनेट हुए बीएड डिग्रीधारी शिक्षक, कमेटी अब तक नहीं कर सकी फैसला

छेरछेरा बर आये हन, समायोजन मांगथन

प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों ने कहा, छत्तीसगढ़ में छेरछेरा पर्व को दान और उदारता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन किसी के घर से दान देने से मनाही नहीं की जाती। इसी परंपरा को ध्यान में रखते हुए बीएड धारी सहायक शिक्षकों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी, लखन लाल देवांगन टंकराम वर्मा और अन्य मंत्रियों के घर जाकर छेरछेरा मांगा। इस दौरान वे 'छेरछेरा बर आये हन, समायोजन मांगथन' को दोहराते रहे। गौरतलब है कि बीएड डिग्रीधारी सहायक शिक्षक लगातार अपनी मांगों के समर्थन में भिन्न-भिन्न तरीकों से प्रदर्शन कर रहे हैं। शिक्षकों ने सामूहिक जल सत्याग्रह, मुंडन, यज्ञ और हवन जैसे अनोखे तरीकों से सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। इसके बाद भी अब तक उन्हें कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल सका है।

बातचीत बेनतीजा

शासन द्वारा बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की सेवा सुरक्षा और समायोजन संबंधित मुद्दों को लेकर कमेटी गठित की जा चुकी है। इस कमेटी ने कई बार आंदोलनरत शिक्षकों से चर्चा भी की है। उनसे सुझाव भी मांगे गए थे, लेकिन इन सभी बातों का अब तक कोई नतीजा नहीं निकल सका है। कमेटी ने अब तक इस दिशा में क्या कार्य किए हैं, इसे भी सार्वजनिक नहीं किया जा सका है।

खबर संक्षेप

डॉ. नेरल को बृहन्महाराष्ट्र का जीवन गौरव सम्मान

रायपुर। बृहन्महाराष्ट्र मंडल मध्यवर्ती संघटना नई दिल्ली के वार्षिक अधिवेशन में डॉ. अरविंद नेरल को जीवन गौरव सम्मान से नवाजा गया। महाराष्ट्र मंडल के संत ज्ञानेश्वर सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। डॉ. नेरल को उनके अथक परिश्रम और निस्वार्थ सेवाभावना व गुणों से परिपूर्ण चिकित्सा एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के चलते इस सम्मान के लिए चयनित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के अलावा विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, मोतीलाल साहू, बृहन्महाराष्ट्र मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलिंद महाजन, रायपुर मंडल के अजय काले सहित विभिन्न महाराष्ट्र मंडलों के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

दुर्घटनास्थल पहुंचे, प्रबंधन और घायल मजदूरों से की मुलाकात

रायपुर। वीआईपी रोड पर निर्माणाधीन 8 मंजिला इमारत का छज्जा गिरने से बड़ा हादसा हुआ। जहां सीटू के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दुर्घटनास्थल पर पहुंचकर मौका-मुआयना किया तथा वहां मौजूद प्रबंधन के लोगों से भी चर्चा की। सीटू ने इस बात पर गहरी नाराजगी जाहिर की कि प्रतिनिधिमंडल को मौके पर जाने से रोका जा रहा था, इसके लिए पुलिस और प्रशासन की रोक की बात कही गई। इस पर सीटू नेता धर्मराज महापात्र ने पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह से बात की और उनके हस्तक्षेप के बाद घटनास्थल का मुआयना संभव हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल पहुंचकर घायल मजदूरों से भी चर्चा की। इस अवसर पर सीटू नेता एमके नंदी, धर्मराज महापात्र, मारुति डोंगरे, राजेश अवस्थी, केके साहू मौजूद रहे। अस्पताल में विश्वजीत चेलक, कुलेश्वर ध्रुव, रितेश कुमार, तेजराम साहू तथा कोमल निर्मलकर का इलाज जारी है।

छत्तीसगढ़ी ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज की बैठक

रायपुर। महामाया मंदिर में सोमवार को छत्तीगसढ़ ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों की आवश्यक बैठक हुई। यह बैठक नवीन कार्यकारिणी गठित करने के लिए गई, जिसमें जिले की टीम गठित कर 19 जनवरी को होने वाली प्रांतीय बैठक में सूची लेकर जाने पर चर्चा हुई। कोरम के अभाव में ये तय हुआ कि जिले से पुराने पदाधिकारियों की सूची उस दिन प्रांतीय बैठक में लेकर भिलाई जाएंगे और प्रांतीय अध्यक्ष राकेश भट्ट प्रांतीय कार्यकारिणी गठित करने के साथ ही नए जिला अध्यक्ष की नियुक्ति करेंगे। इसके बाद समस्त पदाधिकारियों से भिलाई पहुंचने का आग्रह किया गया है। बैठक में जिलाध्यक्ष राजकिशोर भट्ट, कोषाध्यक्ष श्याम शर्मा, महासचिव राजेश शर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

निकाय चुनाव को लेकर जिलों की बैठक में चुनाव की बनी रणनीति

निकाय चुनाव में कांग्रेस युवाओं को देगी टिकट, वार्ड प्रभारी और पर्यवेक्षक देंगे नाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। प्रदेश कांग्रेस संगठन ने शहर कांग्रेस की बैठक लेकर सभी वार्ड प्रभारियों और पर्यवेक्षकों को अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से रायशुमारी करने के निर्देश दिए हैं। पीसीसी ने यह तय किया है, वार्ड पार्षद के लिए युवाओं को टिकट दिया जाएगा।

कांग्रेस मुख्यालय में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज की अध्यक्षता में जिला शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों से कहा गया कि चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। वार्ड में नियुक्त किए गए प्रभारियों से कहा गया है कि वे कल से ही अपने-अपने वार्ड की बैठक लेना शुरू कर दें। पर्यवेक्षकों से कहा गया है कि वे सक्रिय कार्यकर्ताओं को आगे लाने में उनका सहयोग करेंगे। पीसीसी को प्रभारी और पर्यवेक्षक वार्ड से संभावित कांग्रेस कार्यकर्ता के नाम का पैनल देंगे। जहां पर वार्ड में पैनल नहीं बन पा रहा है, वहां से सिंगल नाम भी दिए जा सकते हैं। उनके द्वारा सुझाए गए नामों को पीसीसी के द्वारा प्रदेश चुनाव समिति के समक्ष रखा जाएगा, जो उनके नाम को हरी झंडी देंगे।

हर बूथ तक पहुंचें

नगरीय निकाय में चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारियों के लेकर कहा गया है कि वार्ड के हर बूथ तक पहुंचने का प्रयास हो। हर बूथ की कमेटी वहां की गतिविधियों पर पूरी नजर रखे। चुनाव कार्यक्रम आने के पहले सभी समितियों को सक्रिय कर वार्ड के संभावित प्रत्याशियों की सूची बना लें।

ऐसे होगा प्रत्याशी चयन

सभी वार्ड के प्रभारी और पर्यवेक्षक वहां के कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर उस वार्ड में राजनीतिक गतिविधियों को गति देने के साथ ही विधानसभा और लोकसभा चुनाव में सक्रिय लोगों की जानकारी देंगे। उनमें से ऐसे नाम जो वार्ड में अपनी उपस्थिति हमेशा देते रहे हैं, ऐसे लोगों का नाम आगे किया जाए। वहां से कम से कम तीन नामों का पैनल तैयार करें। पैनल पीसीसी से प्रदेश चुनाव समिति के समक्ष रखा जाएगा। उन नामों से एक नाम को फाइनल किया जाएगा।

जैसा आरक्षण, वैसा ही बंटेगा टिकट

नगर निगम रायपुर में महापौर का पद सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के बाद कई कांग्रेस के नेताओं ने अपनी पत्नियों के लिए दावेदारी को लेकर महिला कांग्रेस के नेताओं ने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को घेरा। उन्होंने कहा, महिला कांग्रेस की सक्रिय कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिया जाए। पीसीसी अध्यक्ष ने महिला नेत्रियों से कहा है कि जैसा आरक्षण हुआ है, वैसा ही टिकट बंटेगा। किसी नेता के यहां से नाम आने पर पार्टी टिकट नहीं देगी।

एकजुटता से पार्टी के पक्ष में बनाएं माहौल- बैज

रायपुर नगर निगम क्षेत्र के कांग्रेसियों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, रायपुर में फिर से एक बार कांग्रेस का महापौर बनाना है। शहर के सभी 70 वार्डों में दमदारी से एकजुटता से चुनाव लड़ना है। पार्टी के प्रति निष्ठावान को मौका मिलेगा। सभी जनता के बीच जाकर पार्टी के पक्ष में माहौल बनायें। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खिलाफ वातावरण है। भाजपा की साय सरकार ने अपने एक वर्ष के कार्यकाल में जनता को निराश किया है। सरकार के खिलाफ जनता में आक्रोश है, जनता भाजपा के खिलाफ निकाय चुनावों में मतदान करेगी।

मोवा के मेन रोड से लगी 7 हजार से अधिक वर्गफीट भूमि पर अवैध कब्जा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर स्थित ग्राम-मोवा के मेन रोड में स्थित निजी मेसर्स स्वस्तिक रियलटीज की सात हजार से अधिक वर्गफीट भूमि पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है, जिसकी शिकायत तहसील कार्यालय रायपुर और नगर निगम में की गई है। स्वस्तिक रियलटीज के मैनेजर प्रेम चौहान ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि ग्राम मोवा पटवारी हल्का नंबर 45 में स्वस्तिक रियलटीज की वर्गफीट जमीन है, जिसका 762 खसरा नंबर है। इस जमीन के 7155 वर्गफीट पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर यहां भवन का निर्माण कर लिया है।

उन्होंने कहा कि जमीन पर जो निर्माण किया गया है, उसकी नगर निगम कार्यालय से किसी प्रकार की भवन अनुज्ञा नहीं ली गई है, ना ही उक्त निर्माण अनुसार राजस्व जमा किया गया है, जो छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता-1950 की धारा-248 के विरुद्ध है। इस भूमि का विधिवत सीमांकन, राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी दल गठित टीम द्वारा किया गया था। उन्होंने बताया कि मेसर्स स्वास्तिक

रियल्टीज भागीदारी कर्म द्वारा तहसील कार्यालय में धारा-250 की कार्यवाही लंबित है। इसके बाद भी लोगों ने रोड-राफ्ते की भूमि पर अवैध कब्जा कर निर्माण कर लिया है, जिस पर राजस्व विभाग एवं नगर निगम द्वारा किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।

न्यायालय में चल रहा प्रकरण

मोवा के मेन रोड से लगी 7 हजार से अधिक वर्गफीट भूमि पर अवैध कब्जा को लेकर स्वास्तिक रियल्टीज फर्म ने शिकायत की है, जिस पर सुनवाई चल रही है। दोनों पक्षों के बयान और दस्तावेजों के आधार पर निर्णय लेकर जल्द आदेश जारी किया जाएगा।

- पवन कोसमा
तहसीलदार रायपुर

पंचायत चुनाव के लिए भाजपा की प्रदेश स्तरीय समिति का ऐलान

रायपुर। प्रदेश भाजपा संगठन ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। नगरीय निकाय के लिए प्रदेश स्तरीय समिति के बाद अब प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से सोमवार को पंचायत चुनाव के लिए प्रदेश स्तरीय समिति का ऐलान किया गया है। इस समिति में संयोजक सौरभ सिंह के अलावा 18 सदस्य रखे गए हैं। प्रदेश में अगले माह नगरीय निकाय के साथ ही पंचायत चुनाव होने की संभावना है। इस माह 15 जनवरी के बाद कभी भी आचार संहिता लग जाएगी। पहले नगरीय निकाय चुनाव होंगे, इसके बाद पंचायत चुनाव होंगे। ऐसे में भाजपा लगातार समितियों का ऐलान कर रही है। पंचायत चुनाव के लिए घोषित की गई प्रदेश समिति में भरत लाल वर्मा, जगन्नाथ पाणिग्राही, राजा पांडेय, अखिलेश सोनी, नीलकण्ठ टेकाम, निरंजन सिन्हा, ललित चन्द्राकर, श्रीमती शालिनी राजपूत, आशाराम नेताम, श्रीमती अलका चन्द्राकर, सतीश लाटिया, रामकुमार भट्ट, दीपक म्हस्के, डॉ. किरण बघेल, वैभव बैस, अनुराग अग्रवाल, सुनील पिल्लई, आकाश विग को समिति का सदस्य बनाया गया है।

वीआईपी रोड बिल्डिंग हादसा तीन के खिलाफ अपराध दर्ज

तीन दिन पूर्व तेलीबांधा थाना क्षेत्र की घटना

वीआईपी रोड पर बन रहे नए रिहायशी अपार्टमेंट में हुआ हादसा

अविनाश ऐलीगेंसः सातवीं मंजिल की ढलाई में छत गिरी, आठ मजदूर दबे, दो की मौत

36 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन गिरे साइलो को हटाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वीआईपी रोड स्थित निर्माणाधीन अविनाश एलिगेंस बिल्डिंग हादसा मामले में तेलीबांधा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ सोमवार को अपराध दर्ज किया है। जिन लोगों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है, उनमें इंजीनियर, ठेकेदार तथा मैनेजर के नाम शामिल हैं। मामले की पड़ताल तथा घायलों के बयान के आधार पर और अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज करने की बात कही है। बिल्डिंग हादसा मामले में इंजीनियर वेद प्रकाश, ठेकेदार निशांत साहू तथा प्रोजेक्ट मैनेजर अजय गौतम के खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 125 ए, 106-1 तथा 3, 5 के तहत अपराध दर्ज किया है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को दोपहर बिल्डिंग निर्माण के दौरान भवन की छत के कालम में मलमा डालते समय लोड ज्यादा हो गया और मलमला भरभराकर छज्जे पर गिरा, जिसकी वजह से चैली टूट गई। चैली टूटने से दो मजदूरों की मौत हो गई तथा छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार वीवाय अस्पताल में चल रहा है।

गैर-बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन

कार्यक्रम में भारत और विदेश के 300 के अधिक प्रतिभागियों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गैर-बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (टीआरईसीजी) द्वारा मेरा रिसॉर्ट और कन्वेंशन सेंटर रायपुर में दो दिवसीय 10 और 11 जनवरी को सम्मेलन और एक्सपो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत स्थापित वैधानिक निकाय कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) और छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के सहयोग से किया गया। इस सम्मेलन में भारत और विदेश के 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आयोजन के लिए आयोजकों का धन्यवाद किया और कहा कि यह आयोजन उस समय में हुआ है, जब चावल के मुक्त निर्यात पर लगी पाबंदियां हटाई गई हैं, खरीफ फसल की अच्छी उम्मीदें हैं और वैश्विक मांग में वृद्धि हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने उद्योग को विकास पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया और गैर-बासमती चावल के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकारी और औद्योगिक परामर्शात्मक और सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसी दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव देव साय ने राज्य से चावल के निर्यात पर मंडी कर को शून्य स्तर तक घटाने की घोषणा की और निर्यातकों को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार निर्यात को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों का पालन करती रहेगी। कृषि और किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने मंडी कर को शून्य करने की शीघ्र क्रियान्वयन प्रक्रिया पर बल दिया। एपीईडीए के अध्यक्ष अभिषेक देव, आईएएस ने देशभर में ऐसे और आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया और उद्योग को एपीईडीए के निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। टीआरईसीजी के अध्यक्ष मुकेश जैन ने सभी प्रतिभागियों और वक्ताओं का धन्यवाद किया और आयोजक के समर्थन के लिए सभी संगठनों और प्रायोजकों का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन में ये रहे शामिल

इस दो दिवसीय सम्मेलन में गैर-बासमती चावल के प्रमुख निर्यातकों और वैश्विक खरीदारों, नीति निर्माताओं, विद्वानों, शोधकर्ताओं, बंदरगाह, शिपिंग, लॉजिस्टिक्स, बैग निर्माण, स्वच्छता सेवाएं, प्रयोगशालाएं, परीक्षण उपकरण, प्रमाणन और सर्वेक्षण एजेंसियां, बैंकिंग और वित्त, बीमा और संबंधित उद्योग के अन्य हितधारकों ने भाग लिया। चर्चा के लिए प्रमुख विषयों में गैर-बासमती चावल की उत्पादकता और विविधता, समुद्री माल ढुलाई में चुनौतियां और नवाचार, बंदरगाह स्तर की चुनौतियां, समुद्री रेल संपर्क को बढ़ाना, सरकारी नीतियां और आगे का रास्ता, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों से निपटना, गोदाम और लॉजिस्टिक्स में प्रगति, वैश्विक गैर-बासमती चावल की मांग के रुझान और भारत की रणनीतिक भूमिका, जीएसटी/ आरओडी/ टीईपी/ ब्याज सब्सिडी का प्रभाव, बैंकिंग सेवाओं में हालिया प्रगति, व्यापार जोखिम शमन बीमा समाधान और गैर-बासमती चावल के लिए वैश्विक बाजार प्रक्षेपण शामिल थे।

बिजनेस साइट

रायपुर में जादूगर सम्राट अजूबा का शो अब कुछ ही दिन तक

रायपुर। रायपुरवासियों को अपनी जादू कला से आनंदित कर रहे जादूगर सम्राट अजूबा अब कुछ ही दिन और अपनी विश्व प्रसिद्ध जादू कला का प्रदर्शन करेंगे। शो के दौरान जादूगर अजूबा ने एक से बढ़कर एक हैरतअंगेज कारनामे पेश किए। दर्शकों का कहना है कि यह जादू शो रायपुर में दूसरी बार आया है, जिसमें ढेर सारे नए करतब जैसे गोडजिला माइम मैजिक, जोमेट्री लेडी और इंद्रजाल शो दिल को छूने वाले हैं। शो रोजाना तीन बार आयोजित होते हैं, 1 बजे, 4 बजे और शाम 7 बजे। जादूगर अजूबा ने कहा कि रायपुर में दर्शकों से जो स्नेह और प्यार मिला है, वह वह और उनकी टीम सदैव याद रखेंगे। शो के प्रबंधक रूद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यह शो 19 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा, लेकिन यदि रायपुरवासियों का स्नेह और प्यार मिलता रहा तो शो को एक सप्ताह बढ़ाकर 26 जनवरी तक किया जा सकता है।

पुष्य नक्षत्र में मिरैकल्स क्लीनिक में स्वर्णप्राशन संस्कार

रायपुर। शंकर नगर चौपाटी स्थित मिरैकल्स डेंटल एवं पाइल्स क्लीनिक में पुष्य नक्षत्र के विशेष अवसर पर स्वर्णप्राशन संस्कार का आयोजन किया जा रहा है। पुष्य नक्षत्र को अत्यंत शुभ और फलदायी माना जाता है और इसे विशेष रूप से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है। मिरैकल्स क्लीनिक की संचालिका डॉ. पिंकी चौरसिया ने बताया कि यह संस्कार खासतौर पर जन्म से लेकर 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए अत्यंत लाभकारी है। स्वर्णप्राशन में शोधित स्वर्ण और आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के अर्क से निर्मित लेह का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करने में मदद करता है। स्वर्णप्राशन संस्कार से बच्चों के आयु, बल, बुद्धि और संस्कारों में उन्नति होती है, जिससे उनका शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है।

हरिभूमि
रायपुर, मंगलवार 14 जनवरी 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

फेयरवेल में याद आए स्कूली जीवन के 16 साल, नम आंखों से कहा अलविदा

रायपुर। कबीर नगर स्थित होली हार्ट्स स्कूल में सोमवार को 11वीं के छात्र-छात्राओं ने सीनियर 12वीं के विद्यार्थियों को फेयरवेल पार्टी दी। इस दौरान सभी पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे थे। प्रिंसिपल हेमाली सिंह एवं अकादमिक डायरेक्टर कल्पना तिवारी समेत होली हार्ट्स एजुकेशनल सोसाइटी प्रेसिडेंट, समूह चेयरमैन आचार्य सुरेंद्र प्रताप सिंह ने छात्र-छात्राओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मिस्टर फेयरवेल अक्षत मिस फेयरवेल गार्गी

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने अपने सुनहरे पलों को याद कर अपने बचपन की यादें ताजा कीं और सबसे साझा किया कि कैसे ये 16 वर्षों का सफर मानो पलके झपकते ही गुजर गया। छात्रों ने भावविभोर होकर शाला एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। भविष्य में सदैव होली हार्ट्स से जुड़े रहने का संकल्प लिया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने जोशीले समूह नृत्य और मनमोहक कार्यक्रमों से सीनियर्स को बड़े ही आकर्षक अंदाज में अलविदा कहा। मनकिरण कौर मिस होली हार्ट तथा युवराज सिंह मिस्टर होली हार्ट्स रहे। मिस्टर एवं मिस फेयरवेल क्रमशः अक्षत सिंह एवं गार्गी बागरिया चुने गए।

सिटी इवेंट

नृत्य के जरिए विविधता में एकता का दिया पैगाम

रायपुर। अमलीडीह स्थित एंजेल्स वैली इंग्लिश स्कूल में वार्षिकोत्सव का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू शामिल हुए। इस दौरान नृत्य के जरिए देशप्रेम की भावना, विविधता में एकता का पैगाम दिया गया। कार्यक्रम का आगाज मां सरस्वती व श्रीगणेश वंदना से हुआ। स्टूडेंट्स ने तमाम राज्यों की संस्कृति और देशप्रेम को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कर विविधता में एकता का परिचय दिया।

मोबाइल का उपयोग कम करने का भी संदेश

बच्चों द्वारा सभी को मोबाइल का उपयोग कम करने का भी संदेश भी दिया गया। कक्षा सातवीं की छात्राओं ने प्रदेश की संस्कृति सुआ, करमा, राउत नाचा आदि की प्रस्तुति दी। इसके अलावा छात्राओं द्वारा गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब व नागालैंड के पारपंरिक लोकनृत्यों की भी प्रस्तुति दी गई। शाला की प्राचार्य शाहमीना कुरैशी ने स्टूडेंट्स का मनोबल बढ़ाया।

लाइव इवेंट

सरकारी स्कूलों में ब्लैकबोर्ड की मरम्मत और रंगाई कराएगी यंग इंडियंस टीम

रायपुर। यंग इंडियंस, कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री की युवा शाखा ने गौरव गार्डन में वार्षिक फंडरेजर मनर 4.0 का आयोजन किया। इस बार यह कार्यक्रम मिशन ब्लैकबोर्ड थीम पर रहा, जिसमें शिक्षा के बुनियादी ढांचे को सुधारने के उद्देश्य से धन जुटाने पर जोर दिया गया। मनर 4.0 से जुटाई गई राशि रायपुर और आसपास के जिलों के सरकारी स्कूलों में ब्लैकबोर्ड की मरम्मत और पुनः रंगाई के लिए समर्पित होगी। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान करना और उनके क्लासरूम अनुभव को समृद्ध करना है। कार्यक्रम की शुरुआत बॉलीवुड गायक स्टेबिन बेन और इंडियन रोलर बैंड के शानदार लाइव परफॉर्मेंस के साथ हुई, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

बच्चों को बेहतर शिक्षा कराएंगे उपलब्ध

कार्यक्रम के संबंध में रायपुर चैप्टर के प्रवक्ता ने कहा कि मनर 4.0 सिर्फ एक आयोजन नहीं, यह एक आंदोलन है। मिशन ब्लैकबोर्ड के तहत हम बच्चों को बेहतर शिक्षा के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहे हैं। रायपुर चैप्टर 2010 से क्षेत्र में शिक्षा, पर्यावरण और युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। यह कार्यक्रम शुभ डायमंड्स, रामा वर्ल्ड, मैट्स यूनिवर्सिटी, स्काइलर, बीएमडब्ल्यू, प्रदीप एंटरप्राइजेस, कंक्रीट टीएमटी, एनकोड नाइसली और ऑडी रायपुर जैसे प्रमुख प्रायोजकों के समर्थन से आयोजित हुआ।

लाइव कंसर्ट में आरूग बैंड की लोकगायकी सिर चढ़कर बोला दायरा बैंड का जलवा

छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव में सांस्कृतिक मंच पर मंत्री टंकराम ने युवाओं के बीच गाया मोर गंवई गंगा

'साइंस कॉलेज मैदान में छत्तीसगढ़ राज्य युवा महोत्सव की श्रृंखला में दूसरे दिन भी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति से रचे-बसे लाइव कंसर्ट में आरूग बैंड के साथ छॉलीवुड स्टार व विधायक अनुज शर्मा ने भी करीब एक घंटे तक छत्तीसगढ़ी गीतों की बेजोड़ परफॉर्मेंस से युवाओं को झूमने के लिए मजबूर किया। इस बीच मंत्री टंकराम वर्मा ने भी मोर गंवई गंगा..गीत से लोगो को खुशनुमा माहौल दिया। जैसे ही मुंबई के दायरा बैंड की प्रस्तुति शुरू हुई। ऐसा जादू है मेरे बस्तर... पेश किया, युवाओं का ग्रुप झूम उठा।'

रायपुर। युवाओं को समर्पित इस महोत्सव में सोमवार की रात रंगीन करने के लिए इस बार भी रोज अलग-अलग विधा के कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इस कड़ी में शाम 5 बजे से जहां सुपर-30 आनंद कुमार ने एक मुलाकात के क्रम में युवाओं के बीच अपनी स्पीच से ऊर्जा का संचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोटिवेशनल स्पीच के जरिए उन्होंने अलग-अलग सक्सेज युवाओं के संघर्ष, सफलता की कहानी के जरिए महोत्सव में शामिल युवाओं को स्वामी विवेकानंद के मार्ग पर चलते हुए सफलता के लिए प्रबल प्रयास, सकारात्मक सोच, हरसंभव संघर्ष के साथ धैर्य को अपनाते हुए लक्ष्य पाने के गुर भी सिखाए। इस बीच युवाओं ने उनसे दिनचर्या में अनुशासन लाने और अच्छा शिक्षक बनने के लिए क्या करना चाहिए, जैसे सवालों का जवाब लिया। करीब एक घंटे चले प्रोग्राम का हर वर्ग के लोग हिस्सा बने।

छत्तीसगढ़ी गीतों पर थिरके, बनाई सेल्फी

आरूग बैंड की म्यूजिक टीम के साथ सिंगर, अभिनेता एवं विधायक अनुज शर्मा ने तोर भुवना में चिरईया बोले.., गीत से लाइव कंसर्ट का आगाज किया। इसके बाद टूरी आइस्क्रीम खाके फरार होगे जी..., सास गारी देवे ननद चुटकी लेवे..., तरसाए मोला घेरी-बेरी..., मोर संग चलव जी..., जैसे गीतों से युवाओं का भरपूर मनोरंजन किया। इस बीच युवाओं का बड़ा ग्रुप सेल्फी बनाता नजर आया। वहीं दूरदराज से आए युवा अपने बीच छॉलीवुड स्टार को पाकर उत्साहित नजर आए। वे जहां बैठे थे, वहीं खड़े हुए और झूमते-नाचते मंच तक जाने का कई बार प्रयास करते रहे। व्यवस्था के लिए तैनात पुलिस को भी समय-समय पर युवाओं को वापस बैठने के लिए भेजना पड़ा। यह क्रम रात साढ़े 8 बजे तक चलता रहा।

बैलाडीला बैलाडीला...गीत ने बांधा समां

मुंबई के दायरा बैंड ने आते ही ऐसा जादू है मेरे बस्तर में पेश करते हुए दर्शकों को उत्साह से झूमने के लिए मजबूर किया। आलम यह था कि लाइव कंसर्ट के बीच उत्साही युवा अतिथियों के लिए बनाए गए मंच के सामने भी पहुंच गए। सुरक्षा कारणों से उन्हें हटाने में पुलिस को काफी प्रयास करना पड़ा। मंच तक पहुंचने के सभी एंट्री पाइंट को ब्लॉक करने की स्थिति भी बनी। इसके बाद आदिवासी कल्चर से ओतप्रोत गीत-संगीत का सिलसिला जैसे-जैसे आगे बढ़ा, युवाओं की टोली भी उसका लुत्फ उठाने में जुटी नजर आई। इसमें महिलाओं व युवतियों का उत्साह भी कम नहीं था, वे भी इस लम्हे को खास बना रही थीं। प्रस्तुति को देखने मंत्री टंकराम वर्मा, केदार कश्यप, विधायक अनुज शर्मा भी मौजूद थे।

साइंस कॉलेज मैदान में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें स्थानीय व बाहरी कलाकार और व्यवसायी अपनी कला तथा उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके अलावा युवा महोत्सव में दिनभर गीत-संगीत, साइंस व कृषि उत्पाद संबंधी प्रदर्शनी लगी रही, जो लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती रही।

छात्रा ने बनाई ऑटोमैटिक वाइस कंट्रोल व्हीलचेयर, दिव्यांगों और वृद्धों के लिए फायदेमंद

रायपुर। हरिभूमि ने सोमवार को युवा महोत्सव में पहुंचकर वहां पर आई आकर्षक वस्तुओं की खासियत और उनकी कीमत का जायजा लिया। जीईसी कॉलेज के अक्षत सोनी ने बताया कि उन्होंने एक ऐसा ड्रोन इजाद किया है, जिसके माध्यम से स्मार्ट तरीके से एग्रीकल्चर में आने वाली परेशानियों से निपटा जा सकता है। अक्षत ने बताया कि इसमें स्मार्ट कैमरे लगे हुए हैं, जो भूमि की उर्वरकता, पानी की कमी आदि के बारे में बताएंगे। इसका नाम गरुड़ एग्रोटेक रखा गया है। वहीं किरण जोगी ने ऑटोमैटिक वाइस कंट्रोल व्हीलचेयर बनाई है। किरण बताती हैं कि इसमें ब्लूटूथ डिवाइस है, जो मोबाइल से कनेक्ट होगी। इस उपकरण से दिव्यांग, बुजुर्ग आदि लोगों को फायदा मिलेगा। इंदिरा कला संगीत विवि के बालेंदु मिश्रा ने घर में कबाड़ समझकर फेंक दी गई वस्तुओं से रोबोट की तरह दिखने वाली मूर्तियां बनाई हैं, जो अंधेरे में देखने पर बिल्कुल इंसान जैसी प्रतीत होती है।

सागौन के भगवान गणेश और पीतल का बस्तर आर्ट आकर्षक

नारायणपुर से आए सुधन रुद्रपाल ने बताया कि उनके स्टॉल पर बांस और लकड़ी से बने बस्तर आर्ट, भगवान गणेश, भगवान शिव और डॉ. बीआर आंबेडकर की तस्वीर उपलब्ध है। जगदलपुर के बलराम यादव का स्टॉल सबसे ज्यादा लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा, क्योंकि उनके स्टॉल पर भगवान गणेश की मनभावन प्रतिमा है।इस प्रतिमा की कीमत 60000 रुपए है। इसके अलावा राधा-कृष्ण, बस्तर आर्ट, मां सरस्वती आदि की प्रतिमा की कीमत 30000 से 45000 रुपए के बीच है। वहीं रायगढ़ के बिहारीलाल बताते हैं कि बस्तर आर्ट को दिखाती यह प्रतिमा है, जिसमें बस्तर के आदिवासी गाजे-बाजे के साथ दरिया में नाव पर बैठकर यात्रा कर रहे हैं। इसकी कीमत 15000 रुपए हैं।

स्कूल-कॉलेज स्टूडेंट्स ने प्रस्तुत की कृषि प्रदर्शनी

युवा महोत्सव में सोमवार को स्कूल और कॉलेज स्टूडेंट्स ने कृषि थीम पर तरह-तरह की प्रदर्शनी प्रस्तुत की। इसमें प्रदेशभर से 20 स्कूल और कॉलेज के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सरगुजा के शासकीय कन्या उमा विद्यालय की सुनीता दास और प्रीति लीजिंग के नेतृत्व में 14 बच्चों की टीम ने टेक्सटाइल्स के आधुनिक तरीके से मार्केट में अपने सामान किस प्रकार बेचे जा सकते हैं, साथ ही उत्पादन में कृषि के परंपरागत ढंग में आधुनिक तकनीक को कैसा जोड़ा जा सकता है, इस मॉडल को रोशनी, रश्मि, शालिनी, उर्मिला, सबीना आदि ने प्रदर्शनी के माध्यम से समझाया। इसके अलावा उनके प्रोजेक्ट के माध्यम से यह भी बताया गया कि कृषि के साथ कैसे पशुपालन और संयुक्त खेती कर अपनी आय को बढ़ाया जा सकता है। वहीं इंदिरा गांधी कृषि विवि की छात्रा प्राची पटेल ने बताया कि उनकी प्रदर्शनी ग्रीन हाउस, जैविक खेती, वर्टिकल खेती, बॉटल फार्मिंग, सोलर पैनल आदि पर आधारित है।

बाइक राइडर्स को आधुनिक सुविधाएं दे रहे ऐसे हेलमेट

कार्नर न्यूज

बाइक राइडर्स को लुभा रहा स्मार्ट हेलमेट म्यूजिक के साथ मिल रही एंटी फॉग सुविधा

आमतौर पर बाइक राइडिंग के दौरान लोगों को बारिश के दौरान या ठंड के मौसम में फॉग की समस्या रहती है, ऐसे में अब बाजार में स्मार्ट हेलमेट आने लगे हैं, जिसमें एंटी फॉग, म्यूजिक सिस्टम जैसी सुविधाओं वाले स्मार्ट हेलमेट युवाओं को लुभाने लगे हैं। ठंड और बारिश के दौरान हेलमेट के अंदर बनने वाली भाप को क्लीयर वाइजर रोकता है, जिससे राइडर ड्राइव के दौरान क्लीयर देख सके। इसके अलावा स्मार्ट हेलमेट में लंबी दूरी के दौरान राइडर म्यूजिक का आनंद ले सकते हैं। बाजार में इसकी कीमत 1900 रुपए से शुरू होती है और फीचर्स के हिसाब के कई रेंज में उपलब्ध है।

रायपुर। शहर में स्थित शोरूम के शोएब बताते हैं कि बाइक राइडिंग के दौरान सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी होती है। डॉट एप्रूव्ड हेलमेट ऐसा हेलमेट है, जिसे बाईकर्स के सुरक्षा को ध्यान रखते हुए कार्बन फाइबर से बनाया जाता है। कार्बन फाइबर खास तरह का मटेरियल होता है, जो दुर्घटना के दौरान राइडर्स के सिर को सुरक्षित रखने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें उपयोग होने वाले कुशन के फोम भी हाई क्वालिटी के होते हैं। जो एकदम हल्के और बेहद ही कंफर्ट होते हैं। इसकी कीमत 7000 रुपए है।

हेलमेट में अंदरूनी भाप जमने नहीं देता

शहर में हेलमेट शो-रूम के ऑनर शेखर बताते हैं, क्लीयर वाइजर हेलमेट की खासियत ये है कि बाइक राइडिंग के दौरान हेलमेट के अंदर बनने वाले फॉग को रोकता है, जिससे ठंड या गर्मी के दौरान हेलमेट के शीशे पर फॉग नहीं जमने देता है। बाजार में इसकी कीमत 5000 रुपए से शुरू है, इसके अलावा इसमें स्पोर्टी लुक वाले हेलमेट भी उपलब्ध हैं।

स्मार्ट हेलमेट

हेलमेट शो-रूम के संचालक अंकित बताते हैं, शहर में स्मार्ट हेलमेट की मांग युवाओं में बढ़ गई है। खासकर बाइक राइडर जो ट्रेवलिंग और म्यूजिक के शौकीन हैं। इसमें मोबाइल कनेक्टीविटी के अलावा नेविगेशन, म्यूजिक और इनबिल्ट कैमरे सुरक्षा के लिए लगे होते हैं। इसकी कीमत 5000 रुपए से शुरू होती है, फीचर्स के हिसाब से कीमत बढ़ जाती है।

धर्म लाइव

दानदाताओं ने जनसेवा के लिए अग्र सेवा सोसायटी को सौंपी नई गाड़ी

रायपुर। अग्र सेवा सोसायटी को समाजसेवी दानदाताओं की ओर से चौपहिया नई गाड़ी सौंपी गई है। इसकी मदद से अब निस्वार्थ सेवाभाव से लोगों की मदद की जाएगी। संस्था ने बताया कि समाजसेवी दानदाता में सत्यनारायण अग्रवाल, सुशील सिंघल, सुभाष सिंघल, अमर अग्रवाल के सहयोग से यह गाड़ी मिली है। यह गाड़ी पगड़ी रस्म, शव फ्रिजर, मरच्यूरी और अन्य सेवा संसाधनों के कार्यों में सहायक होगी। सोसायटी अपने उद्देश्य में शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन घड़ी में हरसंभव सहायता प्रदान कर पाएगी। सोमवार को दानदाताओं द्वारा इसका उद्घाटन किया गया।

समाजसेवा ही सबसे बड़ा धर्म

कार्यक्रम में दानदाता सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि समाजसेवा केवल दान नहीं, बल्कि एक सच्ची मानवता की पहचान है। दानदाता सुभाष सिंघल ने कहा कि समाज के लिए सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। अमर अग्रवाल ने कहा कियह गाड़ी समाजसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हम चाहते हैं कि समाज के सभी लोग, चाहे वे छोटे प्रयासों से ही सही, इस दिशा में योगदान दें। जब हम सब मिलकर काम करेंगे तो समाज और सशक्त बनेगा। अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने कहा कि हमारे समाजसेवियों के सहयोग से यह गाड़ी न केवल हमारी संस्था के सेवा कार्यों को गति देगी, बल्कि समाजसेवा की भावना को भी मजबूत करेगी।

सिटी लाइव

उत्कृष्टता का हुआ सम्मान, सीए चिमनानी को एक्सीलेंस अवार्ड

रायपुर। रोटरी क्लब में वोकेशनल अवार्ड सेरेमनी के दौरान पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ. राम शर्मा ने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए वोकेशनल एक्सीलेंस अवार्ड दिए। सीए ब्रांच के पूर्व अध्यक्ष, महालेखाकार छत्तीसगढ़ के पूर्व सलाहकार, भाजपा नेता सीए अमित चिमनानी को वित्तीय एवं सामाजिक क्षेत्र में योगदान के लिए एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया। कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. युसूफ मेनन को स्वास्थ्य के क्षेत्र में, गिरीश पंकज को साहित्य, प्रियंका कौशल को पत्रकारिता और बबीता अग्रवाल को समाजसेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया।

बुद्धिजीवियों का एक बहुत बड़ा योगदान

कार्यक्रम में श्री चिमनानी ने कहा कि आज भारत अगर विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनने की तरफ अग्रसर है, अगर भारत विकसित भारत बनने का सपना देख रहा है तो इसमें आप सभी सामाजिक संस्थाओं के बुद्धिजीवियों का एक बहुत बड़ा योगदान है। देश के विकास का जितना श्रेय सरकारों का, अधिकारियों का है, उतना ही आप जैसे बुद्धिजीवियों का भी है। कार्यक्रम में इस दौरान रोटरी क्लब वेस्ट के अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सचिव गोपीचंद मथानी, वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट सुनील अग्रवाल सहित प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

समाज इवेंट

शोभायात्रा में राम दरबार की झांकी ने मोहा मन

रायपुर। टिकरापारा पटेल चौक स्थित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का रविवार को समापन हुआ। 24 घंटे से लगातार चल रहे श्रीरामचरित मानस अखंड पाठ का समापन विधि-विधान से यज्ञ-हवन के साथ किया गया। इस दौरान सभी देवी-देवताओं की संगीतमय महाआरती की गई, जिसमें श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान बच्चों ने राम-सीता, लक्ष्मण व हनुमान का रूप धारण कर मंदिर प्रांगण से शोभायात्रा निकाली। बच्चों द्वारा बनाई गई रामदरबार की झांकी ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों के साथ सभी घर की महिलाओं ने शामिल होकर कलश यात्रा निकाली। यात्रा के दौरान प्रभु श्रीराम का संकीर्तन करते हुए सभी साथ चल रहे थे।

आरती के बाद भंडारे का आयोजन

शोभायात्रा नगर भ्रमण कर सिद्धार्थ चौक स्थित नरहरेश्वर मंदिर पहुंची, जहां सभी ने भगवान भोलेनाथ का दर्शन लाभ लिया। यात्रा वापस पटेल चौक हनुमान मंदिर पहुंची, यहां सभी भक्तों ने हनुमानजी की आरती की। इस दौरान भंडारा का आयोजन भी किया गया। आयोजन प्रमुख संजू धनगर, मोहन साहू, माधवराव देशपांडे, मोहन तिवारी, देवचरण वर्मा, पं. अभय मिश्रा, कृष्णा कुमार पांडेय, रवि अग्रवाल, प्रमोद मिश्रा, रवि, अश्वनी तिवारी, आसु शाठे, शशिकला श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

● छेरछेरा पर्व पर सुबह घरों में गूंजा- छेरी के छेरा, छेरछेरा, माई कोठी के धान ल हेर हेरा

पांच घंटे में बच्चों की टोली ने एकत्र किया 100 किलो धान 1500 रुपए मिले तो आपस में बांटकर मनाया छेरछेरा पर्व

हाथों में टोकरी और बोरी लिए बच्चे छेरछेरा मांगने सोमवार की सुबह घरों से निकले। छेरी के छेरा, माई कोठी के धान ल हेर हेरा, छेरछेरा देबे ओ बाई, छेरछेरा देबे ओ गौटिया, तभे टरबो..' इस गीत के साथ सुबह लोगों के घरों पर दस्तक दी। महिलाओं ने सभी बच्चों को सूपे में भरकर धान-चावल दान किए और जितने भी बच्चे मांगने आए थे, उन्हें मुट्ठी भर-भरकर धान-चावल दिया।

रायपुर। दान मिलते ही बच्चे 'कोठी अन्न-धन से भरपूर रहे' का आशीर्वाद देकर अन्य घरों की ओर चल पड़े। यह नजारा पुरानी बस्ती, लाखेनगर, सुंदर नगर, न्यू पुरैना, महावीर नगर, अमलीडीह समेत शहर से लगे टेकारी और दतरेंगा, अम्लेश्वर जैसे ग्रामीण इलाकों में दिखाई दिया। पौष माह की पूर्णिमा तिथि को छेरछेरा लोकपर्व को लेकर शहर और ग्रामीण क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुबह से दोपहर तक छेरछेरा का दान लिया, इसके बाद चावल और धान बेचने मंडी पहुंचे। पर्व के अवसर पर सुबह घरों में देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की गई। इसके साथ ही मीठा चीला, गुलगुला समेत अन्य पारंपरिक व्यंजन भी बनाए गए।

टोलियां बनाकर मोहल्लों में पहुंचे बच्चे

छेरछेरा का पर्व वैसे तो यह गांवों का त्योहार है, लेकिन शहर में भी इसकी रौनक देखने मिली। शहर से लगे गांवों में बच्चे और बड़ों को डंडा नृत्य कर छेरछेरा की परंपरा का निर्वहन करते देखा गया। साथ ही मोहल्लों में धान नहीं होने से बच्चों को चाकलेट, बिस्किट, चावल, फल और रुपए उपहार स्वरूप दिए और दान करने की परंपरा को निभाया। मोहल्लों में बच्चे और युवा टोलियां बनकर सुबह 7 बजे से से दान मांगने के लिए निकल पड़े थे।

युवाओं में भी दिखा उत्साह

छेरछेरा पर्व को लेकर बच्चों के साथ युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। शहर में 8 साल से लेकर 15 साल तक के बच्चे छेरछेरा पर घर और दुकानों में दान मांगने पहुंचे तो वहीं गांव में 15 से 20 साल के युवाओं ने छेरछेरा पर दान मांगने की परंपरा निभाई, इस मौके पर पारंपरिक सुआ नृत्य और डंडा नृत्य भी गांवों में देखने को मिला।

12 रुपए किलो में बेचा धान मनाया उत्सव

सुबह से दोपहर में बच्चों की टोलियों को 40 से 80 किलो तक धान दान में मिला, जिसे मंडी व दुकानों में 12 रुपए किलो के हिसाब से बेचा, फिर आपस में पैसे बांट लिए। कुछ बच्चों और युवाओं ने उस पैसे से खाने की चीजें खरीदी और उत्सव मनाया। दतरेंगा में ममता, सुलोचना और दीप्ति ने तीन घंटे छेरछेरा मांगकर 400 रुपए की कमाई की। बच्चों ने बताया कि 35 किलो धान बेचा और तीनों ने पैसे बांट लिए तो वहीं रोशन ने चार अन्य दोस्तों के साथ छेरछेरा से 100 किलो धान एकत्र किया, जिसे बेचने पर उन्हें 1500 रुपए मिले। बच्चों ने बताया कि हर साल दोस्तों के साथ मिलकर छेराछेरा मांगे घर-घर जाते हैं।

मकर संक्रांति पर कला वीथिका में पतंग उत्सव का आयोजन

आर्ट गैलरी में कैनवास पर उकेरे जीवन के रंग

रायपुर। महाकौशल कला परिषद ने पतंग उत्सव का राष्ट्रीय आयोजन कला वीथिका में मकर संक्रांति पर्व पर आयोजित किया है। कला प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि एमएल श्रीवास द्वारा मंगलवार को संध्या 5.30 बजे महाकौशल आर्ट गैलरी में किया जाएगा। कला प्रदर्शनी में जल, पोस्टर, एक्रेलिक कलर, चारकोल, पेन, पेंसिल, स्केच पेन, कोलाज, स्याही, कंप्यूटर ग्रॉफिक, फोटोग्रॉफी और अन्य मिश्रित माध्यम से रचनाओं का निर्माण किया गया है। इसमें देश के बाल कलाकार, युवा कलाकार, महिला कलाकार और वरिष्ठ कलाकार अपनी रचनाएं भेजकर भाग लिए हैं। प्रो. कल्याण प्रसाद शर्मा, श्याम निनोरिया, अवतार सिंह भंगल, पार्थ रायसागर (बिलासपुर) माईनक भट्टाचार्य (अहमदाबाद), शुभ नागपुरे(नागपुर), अशोक लाल, एवी आदित्य, दिशा ठाकुर, पारुल जैन (उज्जैन), अजय तिवारी (अहमदाबाद), मनीष महानंद (मुंबई), धनंजय पंवार (लखनऊ), आदित्य सिंह (भोपाल) आदि कलाकारों की रचनाएं इस कला प्रदर्शनी में निर्णायक समिति द्वारा चयनित की गई हैं।

जिंदगी और पतंग का फलक तक का सफर एक जैसा

जीवन के विभिन्न आयामों को आसमान में पतंग की उड़ान के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। जिस प्रकार आसमान में पतंग ऊंची उड़ान भरने के लिए लालायित रहती है, वैसे ही जिंदगी में हर व्यक्ति कामयाबी के बुलंद हौसले के साथ ऊंची उड़ान भरने के लिए लालायित रहता है। पतंग का अचानक कट जाना, डोर का टूट जाना और आसमान से धरातल पर पतंग का आ जाना, जिंदगी के अपने अनुभव को कलाकारों ने पतंग के माध्यम से व्यक्त करने की कोशिश की है। पतंग के माध्यम से कलाकारों ने मकर संक्रांति के अवसर पर जीवन के उतार-चढ़ाव, विभिन्न कठिनाइयां और आसमान में बुलंदियों को छूने की कोशिश को कैनवास के धरातल पर रंगों, रेखाओं और आकारों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया है।

अग्रवाल सभा का पतंग उत्सव आज

रायपुर। अग्रवाल सभा की युवा इकाई अग्रवाल युवा मंडल द्वारा पतंग उत्सव रिश्तों का मांझा-3 का आयोजन 14 जनवरी मंगलवार को दोपहर 1 बजे से ओमाया गार्डन वीआईपी रोड में किया गया है। युवा मंडल अध्यक्ष राम अग्रवाल ने बताया कि आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। इसमें समाज के लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। सभी के लिए निशुल्क पतंग और मांझे की व्यवस्था की गई है। मधुर संगीत के साथ स्वल्पाहार की भी व्यवस्था समाज द्वारा की गई है। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल ने कहा कि मकर संक्रांति का यह पर्व समाज में भाईचारा बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। प्रचार प्रसार प्रभारी आयुष मुरारका ने बताया कि कार्यक्रम को मूर्त रूप देने के लिए 4 सदस्यीय टीम बनाई गई है, जिसमें आशीष अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, अमर अग्रवाल और संस्कार अग्रवाल हैं। युवा मंडल प्रभारी सुभाष अग्रवाल ने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार आकर सम्मिलित होने की अपील की है।

सभी वर्ग, संप्रदाय और समुदाय के प्रतिनिधित्व में हुआ संविधान का निर्माण

रायपुर। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 13 जनवरी को संविधान संवाद श्रृंखला के अंतर्गत पार्क फाउंडेशन ने सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में संवाद-2 का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर मो. आरिफ ने भारतीय संविधान के मूल्यों पर सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और एक्टिविस्ट गौतम बंद्योपाध्याय ने की। मंच संचालन जीवेश चौबे ने करते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में फाउंडेशन के अध्यक्ष उमाप्रकाश ओझा ने व्याख्यान के विषय पर आधारित वक्तव्य दिया।

बीएचयू के पूर्व प्रोफेसर मो. आरिफ का व्याख्यान

संविधान पर फिर चर्चा की जरूरत क्यों

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. आरिफ ने संविधान पर चर्चा करते हुए मूलभूत मूल्यों पर अपनी बात रखीं। उन्होंने कहा कि संविधान देश की स्वतंत्रता, एकता और अखंडता का मूल है, जो लोक की ताकत को स्थापित करता है। संविधान निर्माण के समय सभा में सभी वर्ग, संप्रदाय और समुदाय के लोगों का प्रतिनिधित्व रहा। विषयों पर लंबी चर्चा के बाद सभी की सहमति और अनुमोदन से यह संविधान बना, फिर इतने बरसों से लागू संविधान पर आज पुनः चर्चा की आवश्यकता क्यों है? संविधान में शुरुआत में स्पष्ट है कि राज्य का कोई धर्म नहीं होगा, मगर राज्य हर धर्म को स्वतंत्रता और संरक्षण प्रदान करेगा। इसमें ही सेकुलर अंतर्निहित है, जो हमारे संविधान की आत्मा की तरह है।

पंजाबी गीतों पर मची लोहड़ी की धूम, युवाओं के साथ बुजुर्गों ने किया रैंपवॉक

सुंदर मुंदरिए तेरा कौन विचारा...दुल्ला भट्टी वाला

कार्नर न्यूज

रायपुर। सिख समाज की महिला विंग ने पारंपरिक उत्सव लोहड़ी मनाते हुए पारंपरिक पंजाबी गीतों पर जमकर धूम मचाई। शाम को जलती लोहड़ी में चिवड़ा, रेवड़ी अग्नि भेंट करके परिक्रमा करते हुए सभी जमकर गिद्दा, भांगड़ा पर थिरके। इसका सांकेतिक अभिप्राय यह है कि आपने अपने दुखों को जलाकर उसकी आहुति दे दी और उस अग्नि से हुए उजाले ने आपके जीवन में खुशियों का उजाला फैला दिया। इसमें गीत-संगीत के बीच रैंप वॉक का सिलसिला भी चला। एक समय ऐसा भी आया, जब युवाओं और महिलाओं समेत बुजुर्गों का उत्साह भी उत्सव में देखने को मिला। खालसा स्कूल कैंपस में हुए आयोजन में हर क्षेत्र में रहने वाले सिख समाज के लोग शामिल हुए।

पहली लोहड़ी के लिए सम्मान

छत्तीसगढ़ के दूरदराज अंचल से आए प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया गया। साथ ही पारंपरिक त्योहार लोहड़ी में सिख परिवार के लोग उत्साह से शामिल हुए। अपनी खुशियां पूरे समाज के साथ बांटने के उद्देश्य को लेकर जिन नवजात बच्चों की और न्यू कपल की पहली लोहड़ी है, उनको सिख समाज द्वारा सम्मानित किया गया, ताकि वे अपने समाज की परंपरा को पहचानें और समाज से भी जुड़े रहें।

सिंधी काउंसिल ने मनाया लाल लोई पर्व

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई ने लाल लोई पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। इस दौरान संस्था के सदस्यों के साथ मिलकर राधास्वामी नगर में लाल लोई पर्व मनाने एकत्र हुए। महिलाओं ने आग जलाकर उसके चारों और घूमते हुए सिंधी गीत गाए और तेल, गुड़, गजक, रेवड़ी, मूंगफली का प्रसाद वितरित किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया, मकर संक्रांति के एक दिन पहले लाल लोई पर्व मनाया जाता है। मकर संक्रांति से शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं। इस आयोजन में सिंधी काउंसिल प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, धनेश मटलानी, मुखी चंदर देवानी, मनोहर डेंगवानी, मनीष रोहरा, अनिल जगवानी, कन्हैया खेमानी, सुंदर दास, रितेश वाधवा, विकास चंगानी, आकाश देवानी, विष्णु नागवानी, विजय देवानी, अनिल डेंगवानी, मनोहर टकरानी, प्रकाश वाधवानी, हितेश डोडवानी, राहुल असरानी, महेश डेंगवानी उपस्थित रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

मेंस फिजिक स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में भरत ने हासिल किया चौथा स्थान

रायपुर। एमपी बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन और आईबीबीएफ के तत्वाधान में जूनियर मिस इंडिया और मेन्स फिजिक स्पोर्ट्स की प्रतियोगिता इंदौर में हुई। बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार ने बताया कि रायपुर के भरत मंडावी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।अजित कांसकर ने बेस्ट ऑफ टेन में जगह बना छठवां स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में देश भर के 300 खिलाड़ी और ऑफिशियल ने भाग लिया।इ प्रतियोगिता जूनियर मिस्टर इंडिया विभिन्न वजन वर्गों के आधार पर एवं मेन्स फिजिक स्पोर्ट्स हाइट के आधार पर किया गया। भरत मंडावी रेड कलर की कॉस्टयूम पहने प्रदर्शन कर रहे है। इस अवसर पर दक्षिण विधानसभा रायपुर के विधायक सुनील सोनी बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के आजीवन अध्यक्ष शिव मोहन शुक्ला हरिवल्लभ अग्रवाल प्रोटीन विला के मालिक दुर्गेश साहू जिम एसोसिएशन के सचिव पोषण बांधे छग कुश्ती के कोच पीतांबर पटेल ने बधाई दी।

छग से अनीस-टिकेश्वरी साउथ एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप के रेफरी

रायपुर। एसजीएफआई से मान्यता प्राप्त खेल रही थाई बॉक्सिंग की राष्ट्रीय संस्था थाई बॉक्सिंग इण्डियन फेडरेशन एवं मध्यप्रदेश थाई बॉक्सिंग संघ द्वारा सीनियर, जूनियर, सब जूनियर (बालक-बालिका) वर्ग की द्वितीय साउथ एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन एशियन थाई बॉक्सिंग फेडरेशन के तत्वावधान में 17 से 19 जनवरी 2025 को भोपाल में किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में थाई बॉक्सिंग इंडियन फेडरेशन द्वारा छत्तीसगढ़ से 2 निर्णायक को आमंत्रण मिला है। इसमें रायपुर से अनीस मेमन और दंतेवाड़ा से टिकेश्वरी साहू निर्णायक में शामिल हैं।

छग थाई बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव लखन कुमार साहू ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में विदेशी खिलाड़ियों के अलावा भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों के चयनित थाई बॉक्सर भाग लेंगे। जिस वजन वर्ग में विदेशी खिलाड़ी नहीं होंगे उसकी पूर्ति भारतीय खिलाड़ियों से की जाएगी। छग शासन खेल विभाग से शहीद विनोद चौबे सम्मान 2019 से सम्मानित छग थाई बॉक्सिंग संघ के अध्यक्ष राजधानी रायपुर के अनीस मेमन चीफ जज नियुक्त किए गए हैं साथ ही अनीस मेमन प्रतियोगिता के टेक्निकल एडवाइज़र का दायित्व निर्वहन भी करेंगे। थाई बॉक्सिंग खेल में छ ग की पहली एशियन रेफरी, खेल एवं युवा कल्याण दंतेवाड़ा (बस्तर) की थाई बॉक्सिंग कोच कु टिकेश्वरी साहू को द्वितीय साउथ एशियन थाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप में रेफरी नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि खेल एवं युवा कल्याण दंतेवाड़ा की थाई बॉक्सिंग कोच कुमारी टिकेश्वरी साहू को भारतीय बालिका थाई बॉक्सिंग दल के कोच की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। टिकेश्वरी साहू उक्त अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में खिलाड़ी के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ भारतीय बालिका कोच एवं निर्णायक की महत्वपूर्ण तिहरी जिम्मेदारी वहन करेंगी।

जानिए क्या है हार्ट अटैक और स्ट्रोक में अंतर

देश में पिछले कुछ वर्षों में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक दोनों के ही मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। ये

दोनों ही स्थितियां गंभीर और जानलेवा मानी जाती हैं, जिसके कारण हर साल दुनियाभर में लाखों लोगों की मौत हो रही है। ऐसे में आपके लिए जानना जरूरी हो जाता है कि इन दोनों में क्या अंतर है और इनकी पहचान कैसे की जा सकती है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट अटैक हो या स्ट्रोक इन दोनों ही समस्याओं के लिए जिन दो कारणों को सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है वह हैं- हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल। उच्च रक्तचाप रक्त वाहिकाओं की दीवारों को नुकसान पहुंचाने लगती है जिससे इनके फटने और रक्तस्राव का खतरा होता है। इसके कारण स्ट्रोक और हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ जाता है। इसी तरह से हाई कोलेस्ट्रॉल धमनियों में वसा का जमाव बढ़ाने लगती है जिससे मस्तिष्क और हृदय में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम जरूरी

क्या आपके लिए भी अच्छी नींद पाना हो गया है मुश्किल? जानिए क्या है इसकी असली वजह, कैसे पाएं आराम

अनिद्रा क्या किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का कारण है या इसकी वजह से आपको कोई गंभीर बीमारी हो सकती है? नींद की समस्याओं से छुटकारा कैसे पाया जा सकता है, आइए इन सबके बारे में विस्तार से समझते हैं। अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार और नियमित व्यायाम जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है रोज रात में अच्छी और गहरी नींद लेना। तमाम अध्ययनों से पता चलता है कि वयस्कों को रोजाना रात में कम से कम 6-9 घंटे की गहरी नींद जरूर लेनी चाहिए। एक रात भी अगर आपकी नींद पूरी नहीं होती है तो अगले दिन सेहत पर इसका दुष्प्रभाव हो सकता है। क्या आप अच्छी नींद ले पा रहे हैं?

नींद न आने की समस्या (अनिद्रा)

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए अच्छी नींद की जरूरत होती है। नींद के दौरान शरीर में कई प्रकार की रासायनिक क्रियाएं होती हैं, हार्मोन्स उत्पादित होते हैं जो आपको स्वस्थ रखने और तरोताजा बनाए रखने में मदद करते हैं। हालांकि आधुनिक जीवनशैली, तनाव और अन्य कई कारकों के कारण बहुत से लोग नींद न आने की समस्या से जूझ रहे हैं। यह समस्या न केवल थकावट का कारण बनती है, बल्कि गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का रूप भी ले सकती है। दीर्घकालिक रूप में इसके कारण हापरटेंशन और अवसाद जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

नींद न आने की समस्या कई तरह से नुकसानदायक

नींद विकारों की समस्या कई प्रकार से आपकी शारीरक और मानसिक सेहत को प्रभावित करने वाली हो सकती है। अनिद्रा की दिक्कत बने रहने के कारण थकान और ऊर्जा की कमी तो होती ही है साथ ही आपकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने,मोटापा और हृदय रोग की समस्या, ब्लड प्रेशर और डायबिटीज का जोखिम भी बढ़ जाता है।

नींद की गोलियों की न बनाएं आदत

अक्सर लोग नींद की समस्याओं को दूर करने के लिए 'मेलाटोनिन' टेबलेट लेना शुरू कर देते हैं। मेलाटोनिन एक हार्मोन है जो आपका मस्तिष्क अंधेरे के प्रति प्रतिक्रिया में पैदा करता है। यह आपके सर्केडियन रिदम (आंतरिक घड़ी) और नींद में मदद करता है। बाजार में मेलाटोनिन के स्तर को कंट्रोल करने के लिए कई टेबलेट मौजूद हैं। यह सप्लीमेंट मस्तिष्क में पीनियल ग्रंथि द्वारा स्वाभाविक रूप से उत्पादित हार्मोन का एक सिंथेटिक वर्जन होते हैं जो नींद लाने में मददगार हो सकते हैं। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इस सप्लीमेंट पर निर्भर होने से बचना चाहिए।

कैसे पाएं आराम?

विशेषज्ञ कहते हैं, दवाओं पर निर्भर होने की जगह स्लीप हाइजीन में सुधार करें। इसके लिए रोज सोने का एक समय रखना, अपने दिमाग को आराम देने वाले उपाय जैसे मेडिटेशन-अच्छे संगीत सुनना, शरीरिक रूप से सक्रिय रहना और सोने से कम से कम एक घंटे पहले स्क्रीन या डिवाइस से दूर रहना शामिल है। समय पर न सोना और जागना, काम के घंटे बदलना या रात को देर तक काम करना नींद के चक्र को प्रभावित करता है। मोबाइल-कंप्यूटर जैसे उपकरणों से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को बाधित करती है, जिससे नींद नहीं आती। इनमें सुधार जरूरी हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव

मानसिक स्वास्थ्य पर भी नींद की कमी के दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इसके कारण आपको एकाग्रता और याददाश्त कमजोर होने, अवसाद और चिड़चिड़ापन की समस्या होने, उत्पादकता में कम का जोखिम रहता है। लंबे समय तक नींद की दिक्कत बने रहने के कारण डिमेंशिया और अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

फ्लू और एचएमपीवी के ज्यादातर लक्षण एक जैसे फिर कैसे करें इनमें अंतर

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) इन दिनों दुनियाभर के विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। चीन से शुरू हुआ इस वायरस का संक्रमण अब तक भारत-अमेरिका सहित कई देशों में फैल चुका है। संक्रमण के ज्यादातर शिकार बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर इम्युनिटी वाले लोग हो रहे हैं। एचएमपीवी के संक्रमण की स्थिति में ज्यादातर लोगों में लक्षण हल्के स्तर की ही देखे जाते हैं और ये बिना उपचार के आसानी से ठीक भी हो जाता है। कोमोरबिडिटी के शिकार या फिर जिन लोगों को पहले से अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी श्वसन समस्याएं रही हैं, उनमें इसके कारण रोग को गंभीर रूप लेने का जोखिम जरूर हो सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एचएमपीवी पहले भी फैलता रहा है। इस बार वायरस में दो नए म्यूटेशन हुए हैं जिसके कारण इसमें कुछ परिवर्तन देखे जा रहे हैं। संक्रमण के बढ़ते मामलों के लिए इन्हीं म्यूटेशनों को जिम्मेदार माना जा रहा है। अध्ययनकर्ता बताते हैं, एचएमपीवी हल्के स्तर के रोग वाला संक्रमण रहा है, जिसमें फ्लू जैसी समस्याएं (सर्दी-जुकाम, गले में खराश और बुखार) होती हैं। चूंकि सर्दियों में फ्लू के मामले भी बढ़ जाते हैं, ऐसे में सवाल ये है कि सामान्य फ्लू और एचएमपीवी में कैसे अंतर किया जा सकता है?

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

श्वसन रोग विशेषज्ञ बताते हैं, एचएमपीवी पुराना वायरस है और पहले भी इसके मामले देखे जाते रहे हैं। कई बार बच्चों को ये संक्रमण हो जाता है और इसका पता भी नहीं चलता।

वायरस और बैक्टीरिया की जांच के लिए किए जाने वाले टेस्ट में कई बार एचएमपीवी पॉजिटिव आ जाता है। चूंकि, इसके लक्षण फ्लू की तरह ही होते हैं, इसलिए इस खास संक्रमण पर ध्यान नहीं जाता है। इस बार चूंकि वायरस में म्यूटेशन हुआ है जिसके कारण इसकी संक्रामकता बढ़ी है, यही कारण है कि ये काफी चर्चा में भी है।

दोनों के लक्षण एक जैसे

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, एचएमपीवी एक आरएनए वायरस है जो समय के साथ-साथ म्यूटेट होता रहता है। इस श्वसन संक्रमण के अधिकतर लक्षण आरएसवी (रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस) और इन्फ्लूएंजा जैसे अन्य वायरसों के समान होते है। यही कारण है कि फ्लू की तरह एचएमपीवी के कारण भी लोगों में खांसी, गले में खराश, नाक बहने-बंद नाक और सांस लेने में तकलीफ जैसी दिक्कतें हो रही हैं। चूंकि सर्दी के मौसम में खांसी-जुकाम होना बहुत आम है, ऐसे में अगर किसी को इन दिनों फ्लू जैसी दिक्कतें हो रही हैं तो कैसे पता किया जाए कि ये सामान्य फ्लू है या एचएमपीवी का संक्रमण?

कैसे करें फ्लू और एचएमपीवी में अंतर?

श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ रवि प्रकाश कहते हैं, एचएमपीवी और फ्लू दोनों ही श्वसन तंत्र को प्रभावित करते हैं और एक जैसे लक्षण ही प्रकट करते हैं ऐसे में इनमें अंतर कर पाना कठिन हो सकता है। हालांकि कुछ चीजें हैं जो इन दोनों को अलग करती हैं। फ्लू किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है जबकि एचएमपीवी के अधिकतर मामले छोटे बच्चे, बुजुर्ग (65 वर्ष से अधिक) और कमजोर इम्युनिटी वालों में रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। हालांकि वयस्क भी इसका शिकार हो सकते हैं। एचएमपीवी के कारण अस्थमा और ब्रोंकाइटिस के मामले ट्रिगर हो सकते हैं जबकि फ्लू का स्थिति में इसका खतरा बहुत कम होता है।

पानी पीते समय बस इस बात का दे लें ध्यान तो डायबिटीज-कैंसर जैसी बीमारियों से भी हो सकता है बचाव

पानी की मात्रा के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता का ध्यान रखना भी आपके लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। जिस तरह से जल में अशुद्धियां बढ़ती जा रही हैं, स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि आप साफ और स्वच्छ जल का ही सेवन करें।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार का सेवन जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है दिनभर में खूब पानी पीते रहना। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को दिनभर में तीन-चार लीटर तक पानी पीते रहने की सलाह देते हैं। पानी की मात्रा के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता का ध्यान रखना भी आपके लिए बहुत आवश्यक हो जाता है। जिस तरह से जल में अशुद्धियां बढ़ती जा रही हैं, स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को ये सुनिश्चित करना चाहिए कि आप साफ और स्वच्छ जल का ही सेवन करें।

हाइड्रोजन युक्त और एल्कलाइन पानी को अपने विशेष स्वास्थ्य संबंधी फायदों के लिए दुनिया भर में पहचान मिल रही है। हाइड्रोजन युक्त पानी में फ्री हाइड्रोजन मॉलिक्यूल्स होते हैं, जिन्हें अपने शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है जो हानिकारक फ्री रेडिकल्स से आपको बचाते हैं।

हाइड्रोजन युक्त पानी और इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ का चर्चा होती रहती है, आइए इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जानते हैं।

हाइड्रोजन युक्त पानी पीने के फायदे

हाइड्रोजन (एच2) के कई फायदे हो सकते हैं। माना जाता रहा है कि है कि पानी में अतिरिक्त एच2 मिलाने से आपके स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है। कई गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के खतरे को कम करने में भी इससे लाभ देखा गया है। लिवर कैंसर से पीड़ित 49 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि रेडिएशन थेरेपी के दौरान 6 सप्ताह तक हाइड्रोजन युक्त पानी पीने से उपचार के दौरान जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है। हाइड्रोजन युक्त पानी रेडिएशन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी आपके लिए मददगार हो सकता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए 5 बेस्ट फूड्स

शुगर के मरीज अगर डायबिटीज को मैनेज कर लें तो कई समस्याओं से बच सकते हैं। जानी-मानी न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया है कि ऐसे कौन से 5 फूड्स हैं जो डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छे होते हैं। डायबिटीज के पेशेंट्स क्या खाएं, क्या नहीं यह बड़ा सवाल है। उन्हें कई चीजों से परहेज करना होता है। शुगर के पेशेंट्स को फाइबर वाली चीजें खानी चाहिए और ऐसी चीजों से बचना चाहिए जो उनका शुगर स्पाइक करें। अगर आप जानना चाहते हैं कि शुगर पेशेंट्स के लिए बेस्ट फूड्स क्या हैं तो यहां जानें ऐसी पांच चीजों के नाम जो डायबिटीज के मरीजों को डायट में शामिल करनी चाहिए। कटरीना कैफ जैसे सिलेब्स की न्यूट्रीशनिस्ट श्वेता शाह ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेस्ट फ्रूट, ऑइल, हर्ब, सब्जी और मिलेट बताए हैं जो शुगर लेवल को नैचुरली मैनेज करते हैं।

फ्रूट : श्वेता ने डायबिटीज पेशेंट्स के लिए बेस्ट फ्रूट पपीता बताया। पीपेता का ग्लाइसीमिक इंडेक्स कम होता है। साथ ही फाइबर्स और ऐंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ज्यादा होती है।

ऑइल : डायबिटीज के पेशेंट्स के लिए बेस्ट ऑइल श्वेता ने घी को बताया। घी में पाए जाने वाले फैटी एसिड्स ब्लड शुगर को बैलेंस रखते हैं।

हर्ब : श्वेता ने बताया कि डायबिटीज के पेशेंट्स के लिए बेल पत्ता बेस्ट हर्ब होता है। बताया जाता है कि खाली पेट 4-5 बेल पत्ते चबाने से इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है।

ग्रेन और सब्जी : श्वेता ने डायबिटीज के मरीजों के लिए बेस्ट ग्रेन कोदो मिलट बताया। कोदो डायबेटिक फ्रेंडली ग्रेन है। यह प्रोटीन से भरपूर और हाई फाइबर वाला होता है। वहीं बेस्ट सब्जी करेले को बताया।

मकर संक्रांति पर राशिनुसार करें दान नौकरी में तरक्की और भाग्य में होगी वृद्धि

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि मकर संक्रांति पर भगवान सूर्य अपने पुत्र शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाया करते हैं। शनिदेव चूंकि मकर राशि के स्वामी हैं, अतः इस दिन को मकर संक्रांति के नाम से जाना जाता है। मकर संक्रांति के दिन ही गंगाजी भागीरथ के पीछे-पीछे चलकर कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा उनसे मिली थीं। यह भी कहा जाता है कि गंगा को धरती पर लाने वाले महाराज भगीरथ ने अपने पूर्वजों के लिए इस दिन तर्पण किया था।

मेष - जल में पीले पुष्प, हल्दी, तिल मिलाकर अर्घ्य दें। तिल-गुड़ का दान करें।
वृष - जल में सफेद चंदन, दूध, श्वेत पुष्प, तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। खिचड़ी का दान करें ।
मिथुन - जल में तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। मूंग की दाल की खिचड़ी दान करें।
कर्क- जल में दूध, चावल, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। संकटों से मुक्ति मिलेगी। गुड़, तिल दान करें।
सिंह- जल में कुमकुम तथा रक्त पुष्प, तिल डालकर सूर्य को अर्घ्य दें।गुड़, तिल दान करें।
कन्या- जल में तिल, दूर्वा, पुष्प डालकर सूर्य को अर्घ्य दें। मूंग की दाल की खिचड़ी बनाकर दान करें। गाय को चारा दें।
तुला- सफेद चंदन, दूध, चावल का दान दें। सफेद चंदन मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें ।
वृश्चिक- जल में कुमकुम, रक्तपुष्प तथा तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। गुड़ का दान दें।
धनु- जल में हल्दी, केसर, पीले पुष्प मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। गुड़ दान करें।
मकर- जल में नीले पुष्प, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। काले तिल, उड़द की दाल की खिचड़ी दान करें।
कुंभ- जल में नीले पुष्प, तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। उड़द, तिल का दान करें।
मीन- हल्दी, केसर, पीले फूल के साथ तिल मिलाकर सूर्य को अर्घ्य दें। तिल, गुड़ का दान करें ।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

क्या कॉपी है 'मोआना'? जानें किसने ठोका डिज्नी पर करोड़ों डॉलर का मुकदमा

डिज्नी पर एनीमेशन फिल्म 'मोआना' और उसके सीक्वल के विचार चोरी करने के आरोप लगे हैं। एनिमेटर बक वुडल ने एक मुकदमा दायर किया है। दावे के मुताबिक डिज्नी ने उनकी स्क्रिप्ट 'बकी' से कई विचार चुराए हैं। यह फिल्म प्राचीन पोलिनेशियाई गांव के किशोरों की साहसिक यात्रा पर आधारित है, जिसमें वे अपने घरों को बचाने के लिए खतरनाक एडवेंचर्स पर जाते हैं। यह कहानी 'मोआना' की कहानी से मिलती-जुलती है। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार वुडल ने कैलिफोर्निया के एक संघीय न्यायालय में यह मुकदमा दायर किया है। वुडल के मुताबिक उन्होंने अपनी फिल्म की पटकथा और ट्रेलर जेनी मार्चिक को मुहैया कराए थे। उस समय वह मैंडविल फिल्म्स में निदेशक थीं। मौजूदा समय में वह ड्रीमवर्क्स एनिमेशन के साथ हैं। मुकदमे में यह आरोप लगाया गया है कि डिज्नी ने मोआना का निर्माण करते समय वुडल के विचारों का उपयोग किया, जो उन्होंने 17 सालों तक विकसित किए थे। विशेष रूप से वुडल ने दावा किया कि मोआना में एक दृश्य, जिसमें एक खतरनाक समुद्री पोर्टल है, उसे सीधे उनके द्वारा विकसित किए गए कंटेंट से लिया गया है। वुडल ने पहले भी मोआना फिल्म के पहले संस्करण को लेकर एक मुकदमा दायर किया था, जिसे पिछले साल खारिज कर दिया गया था। लेकिन अब, मोआना 2 के रिलीज होने के बाद उन्होंने एक बार फिर से कानूनी कार्रवाई का रास्ता अपनाया है।

टॉलीवुड

ट्रोल होकर भी नहीं सुधरे नंदमुरी, खुलेआम फिर दोहराया उर्वशी के साथ वही अश्लील स्टेप

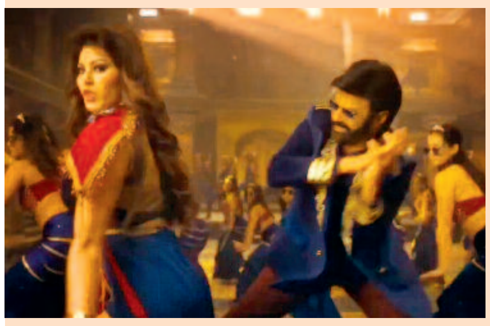

नंदमुरी बालकृष्ण और उर्वशी रौतेला हाल ही में अपनी फिल्म 'डाकू महाराज'की सफलता का जश्न मनाते नजर आए। दोनों फिल्म की सक्सेस पार्टी में डांस करते दिखे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दोनों फिल्म के गाने दाबिड़ी-दीबिड़ी पर वही स्टेप करते नजर आए, जिसे लेकर वह ट्रोल हो चुके हैं। शेखर मास्टर द्वारा की गई 'अश्लील' कोरियोग्राफी के कारण इस गाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। नेटिजन्स ने इसकी जमकर आलोचना भी की थी। एक बार फिर यूजर्स ने वही स्टेप दोहराने के बाद अभिनेता की आलोचना की है। यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर आया, यूजर्स ने अभिनेता की इस हरकत पर उनकी आलोचना करनी शुरू कर दी। एक यूजर ने लिखा, '64 साल के अंकल'। एक और सोशल मीडिया यूजर ने उर्वशी के लिए लिखा, 'वह साफ तौर पर असहज हैं', एक अन्य ने लिखा, हे भगवान, उर्वशी कितनी असहज दिख रही हैं, इसे कोई रोकता क्यों नहीं? इससे पहले जब फिल्म का गाना दाबिड़ी दीबिड़ी रिलीज हुआ था, तो इसके अश्लील स्टेप्स को लेकर नंदमुरी और उर्वशी ट्रोल हो चुके हैं। नेटिजन्स ने सोशल मीडिया पर खूब खरी-खोटी सुनाई थी। यहां तक की कुछ यूजर्स ने गाने को हटाने तक की मांग कर डाली थी। यूजर्स ने इस गाने को शर्मनाक बताया था।

भोजपुरी

आम्रपाली दुबे को ड्रीम गर्ल मानते हैं निरहुआ

निरहुआ ने आम्रपाली दुबे के बर्थडे पर उनके लिए इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में निरहुआ ने एक्ट्रेस के साथ बिताए खास पलों की झलकियां दिखाई हैं। वीडियो में एक्टर की आम्रपाली के साथ कई रोमांटिक फोटोज भी शामिल हैं जिनमें वे एक्ट्रेस को गले लगाते या फिर प्यार भरी नजरों से निहारते दिख रहे हैं। इस स्पेशल वीडियो के साथ निरहुआ ने कैप्शन में लिखा- 'हैप्पी बर्थडे ड्रीम गर्ल।' आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव निरहुआ ने एक साथ अनगिनत भोजपुरी फिल्मों में काम किया है। दोनों स्टार्स 'निरहुआ हिंदुस्तानी', 'निरहुआ चलल ससुराल 2', 'आशिक आवारा', 'फसल', 'राम लखन', 'राजा बाबू', 'सिपाही' और 'मोकामा जीरो किलोमीटर' जैसी फिल्मों में एक साथ दिखाई दिए. दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आती है। दिनेश लाल यादव के अलावा आम्रपाली दुबे को कई दूसरे भोजपुरी सितारों ने भी जन्मदिन की बधाई दी है। प्रदीप पांडे चिंटू ने एक्ट्रेस के साथ एक तस्वीर पोस्ट की है और इसके साथ लिखा है- 'आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं हमारी नागिन, हमेशा खुश रहिए, मस्त रहिए और ऐसे ही छाए रहिए।' इसके अलावा यश कुमार, संचिता बनर्जी, अवधेश मिश्रा, रितेश पांडे, अरविंद अकेला कल्लू, स्मृति सिंहा और मधु सिंहा ने भी पोस्ट कर आम्रपाली दुबे को बर्थडे विश किया है।

लाइफ स्टाइल

ट्रेंड में रहे इन एक्ट्रेस के ये साड़ी

बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां शानदार साड़ी पहनावे के ज़रिए अपनी अनूठी शख्सियत और फ़ैशन सेंस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। जान्हवी कपूर, सुहाना खान, आलया भट्ट, श्रद्धा कपूर सहित कुछ अन्य अभिनेत्रियों ने शानदार साड़ी पहनावे के माध्यम से अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फैशन सेंस का प्रदर्शन किया है। ख़ुशी कपूर ने सफ़ेद बेस वाली एक खूबसूरत कांजीवरम सिल्क साड़ी पहनी थी। जिस पर बैंगनी रंग के लहजे के साथ एक भारी सुनहरा कढ़ाई वाला बॉर्डर था। अपने लुक को पूरा करने के लिए, उन्होंने साड़ी को गहरे बैंगनी रंग के ब्लाउज़ के साथ जोड़ा जो उनके पहनावे को खूबसूरती से पूरक बना रहा था। जान्हवी कपूर ने 'क्रिकेट बॉल साड़ी' से सुर्खियां बटोरीं।

मुंहासों से हैं परेशान तो एक बार ये नुस्खे आजमा कर देख लें, एक हफ्ते में मिलेगी राहत

मुंहासे त्वचा की एक ऐसी आम समस्या है, जो अक्सर किशोरावस्था में हार्मोनल बदलाव, गलत खानपान, तनाव या त्वचा की देखभाल की गलत आदतों के कारण होती है। मुंहासे मुख्य रूप से चेहरे पर होते हैं, और यह आपकी त्वचा पर दाग-धब्बे छोड़ सकते हैं। अगर आप गलत स्किन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं या त्वचा को ज्यादा रगड़ते हैं, तो यह मुंहासों का कारण बन सकता है। कभी-कभी, मुंहासे जेनेटिक कारणों से भी हो सकते हैं, यानी परिवार में किसी और को भी यह समस्या हो सकती है।

मुंहासों की समस्या अस्थायी होती है, और सही देखभाल और उपचार से यह हल हो सकती है। यदि आप भी इस परेशानी से काफी परेशान रहते हैं, तो हम यहां आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं, जिनके इस्तेमाल से ये परेशानी कम हो सकती है। यदि मुंहासे बहुत गंभीर हैं और घर के उपायों से ठीक नहीं हो रहे, तो त्वचा विशेषज्ञ से संपर्क करें।

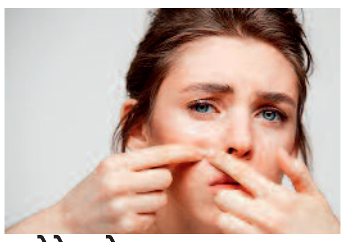

एलोवेरा जेल

यदि आपके चेहरे पर बार-बार मुंहासे निकल रहे हैं तो ताजा एलोवेरा जेल को मुंहासों पर लगाएं और 20-30 मिनट बाद धो लें। इसमें एंटीबैक्टीरियल और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं, जो त्वचा को शांत करते हैं।

नीम की पत्तियां

यदि आपके घर के पास नीम का पेड़ है तो नीम की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और इसे मुंहासों पर लगाएं। नीम एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों से भरपूर है, जो बैक्टीरिया को खत्म करता है।

शहद और दालचीनी का पेस्ट

1 चम्मच शहद में 1/2 चम्मच दालचीनी पाउडर मिलाकर मुंहासों पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो लें। दालचीनी और शहद स्किन को साफ करता है और मुंहासों को जल्दी सुखाता है।

हल्दी और चंदन का पेस्ट

हल्दी में एंटीसेप्टिक गुण होते हैं और चंदन त्वचा को ठंडक देता है। ऐसे में आप हल्दी और चंदन पाउडर को गुलाबजल के साथ मिलाकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। इससे भी आपको फायदा अवश्य मिलेगा।

टी ट्री ऑयल

1-2 बूंदें टी ट्री ऑयल को नारियल तेल में मिलाकर मुंहासों पर लगाएं। ये चेहरे की बैक्टीरिया को मारने में मदद करेगा, जिससे मुंहासों में कमी आती है। टी ट्री ऑयल इस्तेमाल करते समय ध्यान रखें कि इसे आप सीधा नहीं लगा सकते, वरना इससे इंफेक्शन का खतरा रहता है।

नींबू का रस

नींबू का ताजा रस कॉटन की मदद से मुंहासों पर लगाएं। 10 मिनट बाद धो लें। इसमें मौजूद साइट्रिक एसिड त्वचा को साफ करता है और बैक्टीरिया को खत्म करता है। इन नुस्खों को नियमित अपनाने से आपके मुंहासे कम हो सकते हैं और त्वचा साफ और स्वस्थ दिखेगी।

पोंगल पर पहनें ऐसी सिल्क की साड़ी जिससे लुक दिखे गजब का

फैशन

पोंगल एक ऐसा त्योहार है, जिसे दक्षिण भारत के कई राज्यों में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। चार दिन चलने वाले इस पर्व की शुरुआत मकर संक्रांति से होती है। इस साल मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाएगी। ऐसे में पोंगल 14 जनवरी, मंगलवार से शुरू होगा और चार दिनों तक जारी रहेगा, जिसका समापन 17 जनवरी शुक्रवार को होगा। ये त्योहार मुख्य रूप से तमिल लोग मनाते हैं।

पोंगल तमिल संस्कृति और कृषि परंपराओं का प्रतीक है और इसे बड़ी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इसलिए इस दिन महिलाएं खूब अच्छे से तैयार होती हैं। इस दिन सिल्क की साड़ी पहनी जा सकती है। ऐसे में हम आपको यहां सिल्क की साड़ी का लेटेस्ट कलेक्शन दिखाने जा रहे हैं, जिनसे टिप्स लेकर आप पोंगल के लिए खरीदारी कर सकती हैं।

कांजीवरम सिल्क साड़ी : कांजीवरम साड़ियां अपनी समृद्ध बनावट और परंपरागत डिजाइनों के लिए प्रसिद्ध हैं। यह पोंगल जैसे खास अवसर पर एकदम उपयुक्त है। इन साड़ियों पर गोल्डन जरी वर्क होता है, जो इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है। इस तरह की कांजीवरम साड़ी खरीदने के लिए चमकीले रंग जैसे गहरा लाल, हरा, या नारंगी चुनें।

पाट सिल्क साड़ी : पाट सिल्क साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, जो दिनभर के उत्सवों के लिए आदर्श हैं। मिनिमल बॉर्डर और हल्के पैटर्न वाली साड़ियां, सफेद और गोल्डन रंग में पोंगल के लिए परफेक्ट रहेंगी।

चेट्टीनाड सिल्क साड़ी : चेट्टीनाड सिल्क साड़ी अपनी मोटी बॉर्डर और चमकीले रंग संयोजनों के लिए जानी जाती हैं। ये परंपरागत और स्टाइलिश लुक देती हैं। ऐसे में पोंगल के लिए आप ब्लॉक प्रिंट्स और चेक्ड डिजाइन वाली साड़ी चुनें और इसे पारंपरिक गहनों के साथ स्टाइल करें।

उपाडा सिल्क साड़ी : उपाडा सिल्क अपनी हल्की बनावट और शाही लुक के लिए मशहूर है। हल्के पेस्टल रंगों की साड़ियां, जिसमें कढ़ाई का काम हो, आपको सादगी और शान दोनों का एहसास देंगी।

तमिल ब्राइडल सिल्क साड़ी : पोंगल के लिए पारंपरिक तमिल स्टाइल की ब्राइडल साड़ी, जिसमें जरी का काम हो, ये त्योहार के महत्व को और बढ़ा देती है। इस तरह की साड़ी में गहरे रंग, जैसे मैरून, पर्पल, या नेवी ब्लू, गोल्डन जरी वर्क के साथ परफेक्ट दिखते हैं।

सर्दी में भी फेसवॉश का करते हैं इस्तेमाल तो इसके नुकसान भी जान लें

सर्दी का मौसम चल रहा है। इस मौसम में हर किसी को अपनी त्वचा का ध्यान अलग से रखना पड़ता है। यदि त्वचा का सही से ध्यान न रखा जाए तो इसकी वजह से परेशानी बढ़ जाती है और चेहरा काफी डल दिखने लगता है। ऐसे में दिन-भर की धूल मिट्टी को चेहरे से हटाने के लिए लोग दिन में कई-कई बार फेसवॉश का इस्तेमाल करते हैं।

फेसवॉश त्वचा की सफाई के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण उत्पाद है। यह त्वचा से गंदगी, तेल, और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है, लेकिन इसका सही चयन और उपयोग आवश्यक है, खासकर सर्दियों में।

यदि सर्दी के मौसम में आप गलत तरीके से इसका इस्तेमाल करेंगे तो आपकी त्वचा खिलने की जगह डल हो जाएगी। जो देखने में भी अजीब लगेगी। यहां हम आपको सर्दी में बार-बार फेसवॉश इस्तेमाल करने से होने वाले नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं।

त्वचा की नमी कम होना

ठंड के मौसम में त्वचा शुष्क हो जाती है। ऐसे में यदि आप फेसवॉश का बार-बार उपयोग करते हैं या ऐसा फेसवॉश चुनते हैं जो कठोर केमिकल्स से बना हो, तो यह त्वचा की प्राकृतिक नमी छीन लेता है, जिससे त्वचा खिंची-खिंची और असहज महसूस होती है।

हो सकती है त्वचा में जलन और खुजली

फेसवॉश में मौजूद सल्फेट्स और अल्कोहल जैसे तत्व सर्दी के मौसम में त्वचा को अधिक संवेदनशील बना सकते हैं, जिससे खुजली और जलन हो सकती है। इसलिए इस्तेमाल से पहले इसमें पाए जाने वाले तत्वों के बारे में जान लें।

ड्राई पैचेस और फ्लेकी स्किन

ठंडे मौसम में हार्श फेसवॉश का उपयोग त्वचा को अत्यधिक शुष्क बना सकता है, जिससे चेहरे पर रूखे धब्बे (ड्राई पैचेस) और फ्लेकी त्वचा हो सकती है। ऐसी त्वचा देखने में काफी अजीब लगती है।

आंखों की सुंदरता बढ़ाएगा आईशैडो अगर इन तरीकों से करेंगी अप्लाई

मेकअप के इस्तेमाल से न सिर्फ खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि इससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यही वजह है कि पार्टी में जाने से लेकर दफ्तर जाने तक के लिए अब महिलाएं मेकअप का इस्तेमाल करती हैं। अगर मेकअप का इस्तेमाल सही से किया जाए तो ये लुक में चार चांद लगा देता है, वरना इसकी वजह से लुक बिगड़ भी सकता है। खासतौर पर जब बात होती है आई मेकअप की तो लड़कियों को ये सबसे कठिन लगता है। आई मेकअप में आईशैडो का इस्तेमाल काफी कठिन होता है। आईशैडो एक प्रकार का कॉस्मेटिक प्रोडक्ट है जिसे आंखों की पलकों पर लगाया जाता है ताकि आंखें और आकर्षक दिखें। यह अलग-अलग रंगों, टेक्सचर और फिनिश में उपलब्ध होता है।

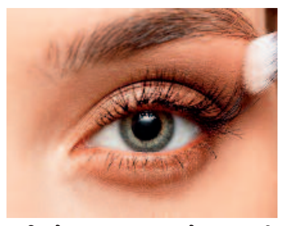

सही शेड का चयन करें : अपनी स्किन टोन और आउटफिट के हिसाब से आईशैडो का शेड चुनें। हल्के और न्यूट्रल शेड्स दिन के लिए उपयुक्त हैं, जबकि गहरे और शाइनी शेड्स रात के लुक के लिए अच्छे होते हैं। हरे, नीले या किसी भी विशेष रंग का प्रयोग करते समय बैलेंस बनाए रखें।

प्राइमर का इस्तेमाल करें : यदि आप आईशैडो लगाने से पहले आंखों पर प्राइमर जरूर लगाएं। ये आईशैडो को लंबे समय तक टिकने और क्रीज से बचाने में मदद करता है। प्राइमर से शेड्स का रंग और ज्यादा उभरकर आता है।

सही से करें ब्लेंड : आईशैडो को अच्छे से ब्लेंड करें ताकि रंगों के बीच कोई हार्श लाइन न दिखे। ब्रश का सही उपयोग करें और हल्के हाथ से ब्लेंडिंग करें। अगर आप एक से ज्यादा शेड्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उन्हें सही से मिक्स करें, ताकि वो अलग नहीं दिखें।

आंखों की शेप का रखें ध्यान : अपनी आंखों के शेप (बड़ी, छोटी, हुडेड, या डीप सेट) के अनुसार आईशैडो लगाएं। बाहरी कोनों को गहरा और अंदरूनी कोनों को हल्का रखें ताकि आंखें बड़ी और चमकदार लगें। स्मोकी लुक करते समय आंखों के बाहरी कोनों पर खास ध्यान दें।

कार्नर न्यूज

बूट्स न सिर्फ स्टाइलिश दिखने में मदद करते हैं, बल्कि इसे पहनने के बाद सर्दी से भी बचाव होता है

बूट खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान, वरना लुक खराब होने के साथ ही होंगी परेशान

सर्दी का मौसम चल रहा है। ऐसे में महिलाओं और लड़कियों को अपने स्टाइल का ध्यान रखने के साथ-साथ इस बात पर भी ध्यान देना होता है कि कहीं उन्हें सर्दी न लग जाए। इसी के चलते महिलाएं पैरों में साधारण जूतों की जगह बूट्स पहनना पसंद करती हैं। बूट्स न सिर्फ स्टाइलिश दिखने में मदद करते हैं, बल्कि इसे पहनने के बाद सर्दी से भी बचाव होता है। यही वजह है कि हर महिला के पास एक बूट्स तो अवश्य ही होने चाहिए। ये विभिन्न डिजाइनों और जगह के हिसाब उपलब्ध होते हैं, जैसे सर्दियों से बचाव, ट्रैकिंग, औपचारिक अवसरों या दैनिक पहनावे के लिए। ऐसे में यदि आप बूट्स खरीदने का प्लान कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप अपने लुक को स्टाइलिश भी बना सकती हैं।

सही हो शेप जिससे तकलीफ न हो

बूट का आकार आपके पैरों के अनुसार होना चाहिए। बहुत तंग या बहुत ढीला बूट न खरीदें, क्योंकि इससे पैरों में तकलीफ हो सकती है। बूट पहनने के बाद थोड़ी देर पैदल चलकर देखें कि कहीं कोई दबाव तो महसूस नहीं हो रहा।

होना चाहिए आरामदायक

बूट खरीदते समय आरामदायकता को प्राथमिकता दें। इसे पहनकर थोड़ी देर चलकर देखें कि कहीं बूट में असुविधा तो नहीं हो रही। अगर आप लंबी दूरी तक चलने या खड़े रहने वाले हैं तो आरामदायक इन्सोल और पैडिंग वाली बूट का चुनाव करें।

सही हो क्वालिटी

अच्छे गुणवत्ता वाले बूट अधिक टिकाऊ होते हैं और उनकी कीमत थोड़ी अधिक हो सकती है, लेकिन यह लंबी अवधि में आपके लिए फायदेमंद साबित होते हैं। ऐसे में बूट खरीदते समय बूट के बाहरी भाग की सामग्री को देखें। लेदर, नाइलॉन या सिंथेटिक फाइबर से बने बूट अधिक टिकाऊ होते हैं।

मौसम का रखें ध्यान

यदि आप बरसात या सर्दी में बूट पहनने की योजना बना रहे हैं तो वाटरप्रूफ या विंटर बूट चुनें। ये आपको ठंड और पानी से बचाएंगे। गर्मियों के लिए हल्के और वेंटिलेटेड बूट अच्छे रहते हैं, जो हवा को गुजरने देते हैं।

सही हो स्टाइल

बूट का स्टाइल आपके व्यक्तिगत फैशन और जरूरतों के आधार पर होना चाहिए। अगर आपको पहाड़ी इलाकों में ट्रैकिंग करनी है, तो हाइकिंग बूट लें, जबकि ऑफिस या कैजुअल पहनने के लिए चेल्सी बूट या लॉन्ग बूट्स अच्छे रहते हैं।

सोल की गुणवत्ता देखें

बूट खरीदते समय बूट के सोल (तल) को अच्छे से जांचें। यदि सोल में अच्छा ग्रिप हो, तो यह फिसलने से बचाएगा। अगर आप ट्रैकिंग या एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए बूट खरीद रहे हैं तो गहरे ट्रैक्स वाले सोल वाले बूट लें, जो मजबूत और टिकाऊ होते हैं।